सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-104 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 04 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

" अहंकार ऐसा मेहमान है जो आता तो अकेला है लेकिन जाते-जाते सब रिश्ते नाते साथ लें जाता है ... !! "

अज्ञात...

सरगुजा के ग्राम सिलमा में अचानक उतरा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हेलीकॉप्टर

मुख्यमंत्री ने खाट में बैठकर ग्रामीणों से किया संवाद : सुनी समस्याएं, समाधान के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे, जहां उन्होंने जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए।

जन चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखीं, जिन पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

इस दौरान ग्राम सुआरपारा निवासी राजेश शुक्ला ने अपनी आर्थिक कठिनाइयों का जिक्र करते हुए बिजली बिल माफी और आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने तत्काल मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मामले पर संज्ञान लिया और आश्वस्त किया कि उनकी स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री के इस त्वरित निर्णय से भावुक हुए राजेश शुक्ला ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी समस्या को लेकर परेशान थे, लेकिन आज मुख्यमंत्री ने स्वयं उनकी बात को गंभीरता से सुना और समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह चौपाल उनके लिए राहत और विश्वास का माध्यम बनी है।

जन चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार शासन की कार्यप्रणाली में बेहतर और सकारात्मक बदलाव का संकल्प है। उन्होंने बताया कि 40 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से अब प्रशासन स्वयं जनता के द्वार तक पहुंचेगा और उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले नागरिकों को अपने कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनेगा और उनका निराकरण करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन चौपाल में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ग्रामीणों से ली तथा हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के प्रभाव का फीडबैक प्राप्त किया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, कलेक्टर अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जब मुख्यमंत्री उतरे मैदान में: सुशासन तिहार में बच्चों संग खेला क्रिकेट

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान ग्राम भैंसामुड़ा में एक बेहद आत्मीय और उत्साहवर्धक दृश्य देखने को मिला, जब वे शासकीय प्राथमिक शाला चंदागढ़ के स्कूल परिसर में अचानक पहुंच गए। विद्यालय पहुंचते ही उनकी नजर मैदान में क्रिकेट खेल रहे बच्चों पर पड़ी, जिनका जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों की इस ऊर्जा ने मुख्यमंत्री को इतना आकर्षित किया कि वे बिना औपचारिकता के सीधे मैदान में उतर गए और उनके साथ क्रिकेट खेलने लगे। मुख्यमंत्री को अपने बीच खेलते देख बच्चों की खुशी दोगुनी हो गई और पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर उठा। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से सहज संवाद करते हुए उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खेल के प्रति रुचि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे नियमित रूप से खेलते हैं या नहीं और किस खेल में उनकी विशेष रुचि है। बच्चों के साथ इस आत्मीय संवाद के बीच उन्होंने यह भी समझने का प्रयास किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं की क्या स्थिति है और किन-किन संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। मैदान में मौजूद खिलाड़ी प्रकाश ठाकुर से भी मुख्यमंत्री ने चर्चा कर उनके अनुभवों और खेल से जुड़े पहलुओं के बारे में जाना, जिससे स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों की वास्तविक स्थिति की जानकारी उन्हें मिल सकी। बच्चों के उत्साह और खेल के प्रति उनकी रुचि को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी बेहतर खेल सुविधाएं मिलनी चाहिए, ताकि वे अपने कौशल का समुचित विकास कर सकें और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री का यह दृष्टिकोण खेल और शिक्षा के संतुलित विकास की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में सामने आया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम पंचायत के सरपंच श्री रोशन प्रताप सिंह से भी बातचीत कर गांव की स्थिति, चल रहे विकास कार्यों और स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी ली।

त्वरित टिप्पणी

सुशासन तिहार के बीच भिलाई में भाजपा का प्रदर्शन बना सवाल

नगर निगम भिलाई के समाने सुबह 11.30 तक भाजपाई पंडाल सज रहे थे

आलोक तिवारी

सूबे के मुखिया विष्णुदेव साय इन दिनों तपती दोपहरी में हेलिकॉप्टर से जिलों में उतरकर 'सुशासन तिहार' मना रहे हैं। जीरो टॉलरेंस का मंत्र जपते हुए योजनाओं का गुणगान हो रहा है। छापेमार अंदाज में औचक निरीक्षण चल रहे हैं। और ठीक इसी बीच भिलाई में भाजपा खुद अपनी ही सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आई है।

कांग्रेस की शहर सरकार, पर आयुक्त तो सरकार का

भिलाई नगर निगम में कांग्रेस की शहर सरकार है, महापौर भी कांग्रेस का। मगर आयुक्त तो राज्य सरकार ने ही बैठाया है। अब भाजपा पार्षद उसी आयुक्त और महापौर की 'साठगांठ' का आरोप लगाकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सवाल सीधा है: 2023 से प्रदेश में भाजपा की सरकार है, पूरा प्रशासनिक तंत्र अपना है। महापौर गड़बड़ करे तो जांच कराकर दंडित कर दो। आयुक्त मिला हुआ लगे तो हटाने के लिए सरकार से बोल दो। हटाना कौन सी बड़ी बात थी? पर यहां तो आयुक्त रोज नए फरमान जारी कर पार्षदों को चुनौती दे रहे हैं।

शिकायत से प्रस्ताव तक, पर नतीजा सिफर

छह सदस्यीय समिति बनाकर 'भ्रष्टाचार की गठरी' बांधने की रणनीति बनी। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पार्षद महेश वर्मा, पीयूष मिश्रा, वीणा चंद्राकर ने मेहनत भी की। पार्षद संतोष मौर्या ने तो करोड़ों के भ्रष्टाचार की दस्तावेजी शिकायत शपथ-पत्र के साथ दी। कहा, गड़बड़ी न मिले तो पद से हटा देना। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जांच कमेटी भी बना दी। महीनों बीत गए, कमेटी ने कदम कहां रखा, किसी को पता नहीं।

संगठन प्रभारी रामजी भारती ने प्रेसवार्ता कर आयुक्त-महापौर को कटघरे में खड़ा किया। कोई फर्क नहीं पड़ा। सामान्य सभा में बजट पास हुआ। चर्चा में आयुक्त ने भाजपा पार्षदों पर असंसदीय टिप्पणी कर दी। बवाल मचा। पार्षद पीयूष मिश्रा धारा 54(2) के तहत आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव ले आए। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सबने समर्थन दिया। किसी ने आपत्ति नहीं की। प्रदेश में पहली बार ऐसा प्रस्ताव आया। कलेक्टर को भी बताया गया। पर आयुक्त साहब कुर्सी पर कायम हैं।

जनता परेशान

प्रदर्शन के होर्डिंग देख लीजिए, पाषर्दों के अलग-अलग गुट साफ दिखते हैं। सबकी अपनी ढपली, अपना राग। सोशल मीडिया की अपील में भी गुटीय गंध है। निगम के सामने धरने से ट्रैफिक वन-वे हुआ और आम नागरिक दिनभर परेशान होता रहा।

सुशासन तिहार में तपती दोपहरी का प्रदर्शन

अब जब पानी सिर से ऊपर चला गया तो पार्षद सड़क पर हैं। मुख्यमंत्री सुशासन का तिहार मना रहे हैं और उनके अपने ही कार्यकर्ता भीषण गर्मी में प्रदर्शन कर रहे हैं। हौसले की दाद तो बनती है।

बस जनता यह पूछ रही है: जब अपनी सरकार में अपने ही अफसर नहीं सुनते, शिकायतों पर जांच नहीं होती, सदन का सर्वसम्मत प्रस्ताव भी फाइलों में दब जाता है, तो 'सुशासन तिहार' आखिर किसके लिए है?

प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए नगर निगम का रास्ता अवरुद्ध कर दिया था।

गंडई में भीषण हादसा : नदी में गिरी कार, बिरगांव के 4 युवकों की मौत, 2 गंभीर

रात होने और नदी के तेज बहाव के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी परेशानी आई

नई दृष्टिबिंदु / गंडई-राजनांदगांव

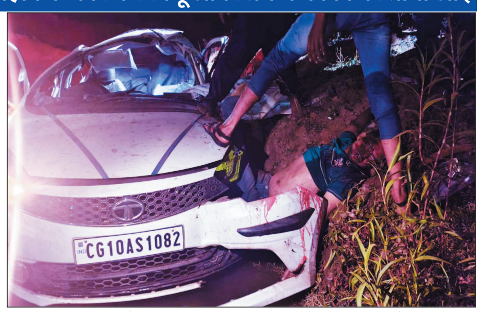

पांडातराई थाना क्षेत्र के गंडई मोड़ स्थित फोक नदी में रविवार देर रात तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर गिरने से चार युवकों की मौत हो गई। हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हैं। सभी युवक बिरगांव के रहने वाले थे और पंडरिया में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

बिगड़ा संतुलन, 10 फीट दूर मिला एक शव

पुलिस के अनुसार टाटा टियागो कार क्रमांक CG 10 AS 1082 में छह युवक सवार थे। गंडई नदी के पास मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे नदी में जा गिरी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। एक युवक का शव पानी में 10 फीट दूर छिटका मिला, जिसे देर रात बरामद किया गया।

मृतक और घायल

हादसे में अरमान अली (20), मोहम्मद सैफ (19), अनस अली (21) और कौनैन (19) की मौके पर ही मौत हो गई। जुनेद रजा (21) और आरजु खान (19) गंभीर घायल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को उच्च स्तरीय अस्पताल रेफर किया गया है।

अंधेरे व तेज बहाव से रेस्क्यू में दिक्कत

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात होने और नदी के तेज बहाव के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी परेशानी आई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस और बचाव दल ने शवों व घायलों को बाहर निकाला। थाना प्रभारी कमलाकांत मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर संतुलन बिगड़ना हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। घटना के बाद बिरगांव में शोक की लहर है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

भिलाई में स्कूली छात्रा की मौत

भिलाई। तेज रफ्तार ट्रक चालक ने जुपिटर सवार तीन स्कूली छात्रा को चपेट में लिया। घटना में छात्राएं घायल हो गई है। उपचार के लिए अस्पताल लेकर जाया गया, जहां एक छात्रा की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, घासीदास नगर के पास ट्रक चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए जुपिटर सवार प्रीति, लक्ष्मी, हिमानी को पीछे से जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में प्रीति कुमारी की मौत हो गई है। वही लक्ष्मी और हिमानी घायल है। चालक को पुलिस ने पकड़ लिया है। तीनों छात्राएं नालंदा स्कूल में पढ़ाई करती है। जामुल के पास जूस दुकान में रुक कर तीनों जूस भी पिया था। उसके बाद अपनी सहेली हिमानी को छोड़ने के लिए जामुल की ओर जा रहे थे। तभी हादसा होना बताया गया है। घटना की खबर लगते ही आसपास के लोगों को भीड़ लग गई थई। ट्रक चालक ठोकर मारकर फरार हो गया था। उसे दो किमी तक पीछे कर पकड़ा गया है। हादसे की जानकारी लगने के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। लोगों का कहना है कि वाहनों की रफ्तार के कारण रोज हादसे हो रहें हैं। सड़क दुर्घटनाओं में लगातार जाने जा रहीं हैं। इस पर रोक लगाने वाहनों पर कार्रवाई हो। पुलिस के अनुसार शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा गया है। बताया गया है कि वाहन को लक्ष्मी चला रही थी, पीछे प्रीति बैठी थी। सीएसपी प्रशांत पैकरा ने बताया कि घटना में एक युवती की मौत हो गई है। चालक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। फिलहाल जांच किया जा रहा है।

बिना अनुमति पुतला दहन, 3 पुलिसकर्मी घायल जिला अध्यक्ष सहित कांग्रेस के 8 नेता गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / उतई

उतई के मिनीमाता चौक पर 12 अप्रैल को बिना अनुमति विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन के दौरान पुलिस से झड़प हो गई थी। झूमा-झटकी में माचिस से आग लगने के कारण तीन पुलिसकर्मी झुलस गए। इस मामले में उतई पुलिस ने जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

50-60 लोगों ने किया था सड़क जाम

12 अप्रैल को शाम करीब 4:30 बजे उतई के मिनीमाता चौक पर कांग्रेस के 50-60 कार्यकर्ता बिना अनुमति नारेबाजी करते हुए जुटे थे। कायर्पालिक मजिस्ट्रेट और पुलिस ने अनुमति पत्र मांगा, जो नहीं दिखाया गया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर पुतला दहन की कोशिश की।

पुलिस ने जब पुतला छीनने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसी दौरान माचिस से आग लगने पर आरक्षक गिरधारी मंडावी के दोनों हाथ, आरक्षक अविनेश प्रताप सिंह का दाहिना हाथ झुलस गया। आरक्षक टिकेंद्र साहू की आंख के पास चोट आई।

BNS की धाराओं में केस दर्ज

पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 200/2026 धारा 191(2), 221 बीएनएस के तहत केस दर्ज किया। साक्ष्य के आधार पर 3 मई को 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी राकेश ठाकुर, 48 वर्ष, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष, निवासी धौराभाठा, द्वारिका प्रसाद साहू, 38 वर्ष, नेहरू नगर वार्ड-09, उतई, दिवाकर गायकवाड़, 41 वर्ष, ग्राम उमरपोटी, उतई, धर्मेन्द्र बंजारे, 31 वर्ष, गंगानगर बस स्टैंड, डुमरडीह, डिकेन्द्र कुमार उर्फ राजू, 58 वर्ष, बाजार चौक, उतई, सत्य प्रकाश कौशिक उर्फ सत्तू, 31 वर्ष, उमरपोटी, उतई, प्रहलाद वर्मा, 42 वर्ष, हथखोज पारा वार्ड-14, उतई, लोचन यादव, 40 वर्ष, ग्राम मुड़पार, उतई शामिल है।

पुलिस ने मौके से पुतला दहन में प्रयुक्त अवशेष सामग्री भी जब्त की है। दुर्ग पुलिस ने कहा है कि किसी भी विरोध प्रदर्शन से पहले विधिवत अनुमति लें। शासकीय कार्य में बाधा डालने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ब्राह्मण समाज की पत्रिका 'ब्रह्म प्रकाश' का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज भिलाई की सामाजिक पत्रिका "ब्रह्म प्रकाश" का शनिवार को विमोचन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रख्यात संत महंत राम सुंदर दास, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय और समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य विप्रजन शामिल हुए। वक्ताओं ने पत्रिका को समाज के विचारों और गतिविधियों को साझा करने का सशक्त माध्यम बताया। महंत राम सुंदर दास ने कहा कि ऐसी पत्रिकाएं सामाजिक एकता और संस्कारों को बढ़ावा देती हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने समाज के योगदान की सराहना की। समाज अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा ने पत्रिका के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

राजधानी में पत्रकार पर जानलेवा हमला

रायपुर। गोलबाजार थाना इलाके में पत्रकार पर हमले की एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें एक युवक द्वारा कथित रूप से पैसे की मांग करते हुए मारपीट की गई। इस हमले में पत्रकार शांतनु रॉय गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका इलाज अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बजरंग चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित के बड़े भाई, जो विधानसभा क्षेत्र स्थित एक संस्थान में बायो मेडिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं, ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका छोटा भाई शांतनु रॉय पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्यरत है। घटना 2 मई 2026 की रात की है, जब शांतनु अपना काम खत्म कर तेलीबांधा स्थित प्रेस कार्यालय से मोटरसाइकिल से अपने घर कोटा लौट रहा था। रात करीब 1 से 1:30 बजे के बीच जब वह जीई रोड पर कुसुमताई दाबके स्कूल के सामने पहुंचा, तभी आगे चल रहे एक साइकिल रिक्शा चालक ने अचानक दाहिने ओर मोड़ लिया। इससे संतुलन बिगड़ने पर शांतनु की बाइक रिक्शा से टकरा गई। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, हालांकि रिक्शा चालक और उसमें बैठे सवारी बिना किसी विवाद के वहां से चले गए।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के सख्त पालन करें : कलेक्टर अभिजीत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नगरीय निकायों के आयुक्त/मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने कहा कि 1 अप्रैल 2026 से लागू नए नियमों के तहत अब कचरे को केवल गीला और सूखा नहीं, बल्कि चार श्रेणियों में बांटना अनिवार्य होगा- गीला कचरा (रसोई और बगीचे का अपशिष्ट) सूखा कचरा (प्लास्टिक, कागज, कांच, धातु) सेनेटरी वेस्ट (डायपर, सेनेटरी नैपकिन) आदि जिन्हें अलग से लपेट कर देना होगा। स्पेशल केयर वेस्ट (दवाइयां, पेंट के डिब्बे, बल्ब, बैटरी)।

०कलेक्टर सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण करने वाली गाड़ियों में इन चारों श्रेणियों के लिए पृथक बॉक्स सुनिश्चित करें। नए नियमों के अनुसार कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया (संग्रहण से लेकर निपटान तक) को एक केंद्रीय ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ट्रैक किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

होटल, मैरिज गार्डन, बड़ी आवासीय सोसायटियों, अपार्टमेंट, कॉलेज छात्रावास परिसर, सामुदायिक भवन आदि जो प्रति दिवस 100 किलोग्राम या उससे अधिक गीला कचरा उत्पन्न करते हैं, उन्हें अपने गीले कचरे का निपटान स्वयं के परिसर के भीतर ही बायो डाइजेस्टर मशीन अथवा पिट कम्पोस्टिंग के माध्यम से करना होगा। साथ ही समस्त बल्क वेस्ट जेनरेटरों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन करना भी अनिवार्य होगा। बल्क वेस्ट जेनरेटरों को निकाय से विस्तारित बल्क वेस्ट जेनरेटर जिम्मेदारी प्रमाण पत्र प्राप्त करना भी

अनिवार्य होगा। नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित प्रतिष्ठान को नियमानुसार जुर्माना देना होगा।

इस संबंध में पर्यावरण संरक्षण मंडल तथा समस्त नगरीय निकायों के अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया की समस्त आवासीय सोसायटी एवं बड़े परिसरों जो बलक वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में आएंगे उनको गीले कचरे के कंपोस्टिंग के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन तथा सहायता भी प्रदान की जाए ताकि वह निर्धारित समय सीमा में अपने परिसर के अंदर ही कंपोस्टिंग हेतु मशीन अथवा पीट की स्थापना कर सकें। नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करेगा के सिद्धांत पर सख्ती से अमल किया जाएगा। कलेक्टर ने पुराने डंपिंग साइट्स पोटियाकला तथा जामुल के बायो-माइनिंग और बायो-रेमेडिएशन के कार्य को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट एवं प्लास्टिक वेस्ट के निष्पादन हेतु निकायों के समीपस्थ केंद्रीय पर्यावरण संरक्षण बोर्ड द्वारा निर्धारित अनुमोदित रिसाइकलरों से संपर्क कर अनुबंध स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता को नए नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर आई.ई.सी. गतिविधियां संचालित की जाएं। वार्ड पाषर्दों और स्वच्छता दीदियों के माध्यम से नागरिकों को 4-स्ट्रीम पृथक्कीकरण के लाभ समझाए जाएं।

बैठक में नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम भिलाई स्वच्छता प्रभारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के सीएमओ, स्वच्छता निरीक्षक, पर्यावरण मंडल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

पूज्य जैन साध्वी प्रीति सुधा महाराज की पावन प्रेरणा से स्थापित गौशाला में नवीन कार्यकारिणी का गठन

दुर्ग। जैन समाज एवं गौसेवा जगत के लिए अत्यंत भावुक एवं श्रद्धामयी स्मृतियों के बीच आज श्री कृष्णा जीव रक्षा केंद्र गौशाला, मोहलाई-छतागढ़ (दुर्ग) में नवीन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। यह वही पावन गौशाला है, जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में दुर्ग में हुए पूज्य जैन साध्वी श्री प्रीति सुधा जी महाराज के प्रेरणादायी चातुर्मास के दौरान उनकी दिव्य प्रेरणा एवं गौसेवा भावना से हुई थी।

ज्ञात हो कि 1 मई 2026 को पूज्य साध्वी श्री प्रीति सुधा जी महाराज का स्वगर्वास एवं देवलोक गमन हो गया। उनके देवलोक गमन का समाचार सुनते ही समूचे क्षेत्र में शोक एवं श्रद्धा का वातावरण निर्मित हो गया। साध्वी श्री का सम्पूर्ण जीवन धर्म, साधना, त्याग, तपस्या एवं जीव दया के लिए समर्पित रहा। उनके ओजस्वी प्रवचनों ने हजारों लोगों के जीवन को धर्ममय दिशा प्रदान की। सन 1996 में दुर्ग में आयोजित उनके ऐतिहासिक चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में सभी समाज एवं वर्गों के लोग उनके प्रवचन सुनने पहुंचते थे। साध्वी श्री ने अपने प्रेरणामयी उद्बोधनों में विशेष रूप से गौसेवा, जीव रक्षा, करुणा एवं मानवता का संदेश दिया। उनकी पावन प्रेरणा से ही मोहलाई-छतागढ़ क्षेत्र में श्री कृष्णा जीव रक्षा केंद्र गौशाला की स्थापना का पुण्य कार्य प्रारंभ हुआ, जो आज भी निरंतर गौसेवा एवं जीवदया के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रहा है।

आज आयोजित बैठक में गौशाला के संचालन एवं सेवा कार्यों को और अधिक सशक्त एवं व्यवस्थित बनाने हेतु नवीन कायर्कारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वानुमति से कांतिलाल पारख को अध्यक्ष, राकेश संचेती को महामंत्री तथा संजय लोढ़ा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पूज्य साध्वी प्रीति सुधा जी महाराज के आदर्शों एवं प्रेरणाओं को आत्मसात करते हुए गौशाला के माध्यम से गौसेवा, जीवदया एवं धार्मिक गतिविधियों को और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया।

बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि पूज्य साध्वी श्री प्रीति सुधा जी महाराज केवल एक साध्वी नहीं, बल्कि करुणा, सेवा एवं आध्यात्मिक चेतना की जीवंत प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज को धर्म के साथ-साथ जीवों के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा दी। आज भी उनके प्रवचन, उनकी वाण बी एवं उनके द्वारा स्थापित सेवा संस्कार समाज को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में पूज्य साध्वी श्री के चित्र के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

ई-केवाईसी के नाम पर महतारियों को परेशान करना सरकार को पड़ेगा भारी : सौरभ मिश्रा

भिलाई। महतारी वंदन योजना के तहत अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। दुर्ग सहित कई जिलों में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया है और इसे महिलाओं को परेशान करने की साजिश बताया है। कांग्रेस का आरोप है कि ई-केवाईसी के नाम पर सरकार लगभग 5 लाख पात्र महिलाओं के नाम योजना से काट रही है। कांग्रेस नेताओं ने भिलाई में जनसमस्याओं और महतारी वंदन केवाईसी में अव्यवस्था को लेकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस के सौरभ मिश्रा ने आरोप लगाया है कि हर माह 606 करोड़ रुपये से अधिक की राशि देने के कारण सरकार की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है, इसलिए बहाने बनाकर योजना को बंद करने या लाभार्थियों की संख्या कम करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस कमिटी 3 अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र परगनिया, पार्षद सुरेश वर्मा, हरीश सिंह, राजेश चौधरी, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष खवाजा अहमद, प्रचार महामंत्री आदि राव, इमरान खान, आकाश यादव, मिशांक मिश्रा, फतेह सिंह, विकास वर्मा, ए पुष्पावती, लक्ष्मी ठाकुर, न्यूब सिंह आदि शामिल थे।

सही दवा-शुद्ध आहार : खाद्य और औषधि प्रशासन की टीम का सघन जांच अभियान पांचवे दिन भी जारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राज्य शासन द्वारा 27 मई से 11 मई 2026 तक सही दवा-शुद्ध आहार - यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के अंतर्गत 15 दिवसीय सघन जांच अभियान संचालित किये जाने हेतु प्रत्येक जिले में कार्यरत खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है।

औषधि शाखा द्वारा जांच अभियान के पाचवां दिवस 01 मई को जिले में स्थित अस्पतालों एवं अस्पतालों से जूडे फार्मेसी में वेक्सीन स्टोरेज/कोल्ड चेन सुविधा का निरीक्षण किया गया। जूनवानी भिलाई में स्थित अभिषेक मिश्रा अस्पताल शंकराचार्य अस्पताल, नेहरू नगर स्थित हाईटेक अस्पताल में संचालित ओ.पी.डी. आई.पी.डी. एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर, राम नगर स्थित स्पर्श अस्पताल के तीनों ओ.पी.डी. आई.पी.डी. एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर तथा शास्त्री नगर भिलाई में संचालित बी.एम. शाह अस्पताल के ओ.पी.डी.एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर में वेक्सीन स्टोरेज/कोल्ड चेन सुविधा का जांच किया गया। इस संबंध में रेफ्रिजरेटर टेम्परेचर डिस्प्ले, लागर रिकार्ड एवं वैक्सीन ट्रांसपोर्ट सुविधा/वैक्सीन कैरियर उपलब्धता की जांच की गई। उक्त के साथ-साथ वैक्सीन के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड का मिलान किया गया, इस प्रकार कुल 10 फर्मों के वैक्सीन स्टोर का निरीक्षण किया गया।समस्त संस्थानों में वैक्सीन का संधारण नियमानुसार उचित तापमान पर पाया गया। समस्त फमी को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियम 1945 का कड़ाई से पालन करते हुए फर्म संचालन के निर्देश दिये गए। । भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

इसी प्रकार खाद्य शाखा द्वारा जांच अभियान दुर्ग में संचालित मेसर्स हॉटल कैम्बियन, हॉटल गारनेट, मेसर्स अरिहंत रेस्टोरेंट, मेसर्स सूर्या पैलेस, मेसर्स के.एफ.सी. मेसर्स मिस्टर ईडली, मेसर्स इंडियन कॉफी हाउस, मेसर्स वृंदावन हॉटल की जांच/निरीक्षण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत किया गया, जिसमें संचालकों को उचित साफ-सफाई के साथ व्यवसाय संचालित किये जाने का निर्देश दिया गया एवं अखबारी पेपर उपयोग नहीं किये जाने व तेल का उपयोग बार-बार नहीं करने एवं वेज-नानवेज को पृथक-प्थक संधारण किये जाने व हेडकैप, ग्लब्स, एपरॉन उपयोग में लाये जाने हेतु हिदायत दी गई एवं निर्देशित किया गया कि नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

अस्पतालों का किया गया निरीक्षण

औषधि शाखा द्वारा जांच अभियान के पाचवां दिवस 01 मई को जिले में स्थित अस्पतालों एवं अस्पतालों से जूडे फार्मेसी में वेक्सीन स्टोरेज/कोल्ड चेन सुविधा का निरीक्षण किया गया। जूनवानी भिलाई में स्थित अभिषेक मिश्रा अस्पताल श्री शंकराचार्य अस्पताल, नेहरू नगर स्थित हाईटेक अस्पताल में संचालित ओ.पी.डी. आई.पी.डी. एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर, राम नगर स्थित स्पर्श अस्पताल के तीनों ओ.पी.डी. आई.पी.डी. एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर तथा शास्त्री नगर भिलाई में संचालित बी.एम. शाह अस्पताल के ओ.पी.डी.एवं सेंट्रल मेडिकल स्टोर में वेक्सीन स्टोरेज/कोल्ड चेन सुविधा का जांच किया गया। इस संबंध में रेफ्रिजरेटर टेम्परेचर डिस्प्ले, लागर रिकार्ड एवं वैक्सीन ट्रांसपोर्ट सुविधा/वैक्सीन कैरियर उपलब्धता की जांच की गई। उक्त के साथ-साथ वैक्सीन के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड का मिलान किया गया, इस प्रकार कुल 10 फर्मों के वैक्सीन स्टोर का निरीक्षण किया गया।समस्त संस्थानों में वैक्सीन का संधारण नियमानुसार उचित तापमान पर पाया गया। समस्त फमी को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियम 1945 का कड़ाई से पालन करते हुए फर्म संचालन के निर्देश दिये गए। । भविष्य में भी इस तरह की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। इसी प्रकार खाद्य शाखा द्वारा जांच अभियान दुर्ग में संचालित मेसर्स हॉटल कैम्बियन, हॉटल गारनेट, मेसर्स अरिहंत रेस्टोरेंट, मेसर्स सूर्या पैलेस, मेसर्स के.एफ.सी. मेसर्स मिस्टर ईडली, मेसर्स इंडियन कॉफी हाउस, मेसर्स वृंदावन हॉटल की जांच/निरीक्षण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत किया गया, जिसमें संचालकों को उचित साफ-सफाई के साथ व्यवसाय संचालित किये जाने का निर्देश दिया गया एवं अखबारी पेपर उपयोग नहीं किये जाने व तेल का उपयोग बार-बार नहीं करने एवं वेज-नानवेज को पृथक-प्थक संधारण किये जाने व हेडकैप, ग्लब्स, एपरॉन उपयोग में लाये जाने हेतु हिदायत दी गई एवं निर्देशित किया गया कि नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

विधायक चंद्राकर जिला स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल हुए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज संगठन युवा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित दुर्ग जिला स्तरीय निषाद बंधु टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का भव्य आयोजन ग्राम कोलिहापुरी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस वर्ष पहली बार आयोजित इस प्रतियोगिता में दुर्ग जिले के निषाद समाज के 13 परिक्षेत्रों से 13 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दो दिवसीय इस आयोजन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए दशर्कों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर ने कहा, खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का ही माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। निषाद समाज द्वारा पहली बार इस तरह की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करना अत्यंत सराहनीय पहल है।

उन्होंने आगे कहा, मैं सभी सामाजिक बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं कि आप अपने समाज के युवाओं को खेल के मैदान तक लाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं। हमारी सरकार भी ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं आयोजक मंडल को आश्वस्त करता हूं कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। समाज के युवाओं में खेल को लेकर दिखा उत्साह और एकजुटता इस बात का प्रमाण है कि आने वाले समय में दुर्ग जिले से राज्य व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलकर समाज व क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। निषाद समाज जिला अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. धनश्याम निषाद, उपाध्यक्ष बीरेंद्र निषाद, बुधारू राम निषाद, खिलावन निषाद, संतोष जलतारे, पीपरछेड़ी सरपंच श्रीमती ललिता निषाद, झोला सरपंच कौशल निषाद, केवल निषाद, कोमल देव निषाद, वीरेंद्र निषाद, भोजराम निषाद, संतोषी निषाद, ईश्वर निषाद सहित समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मजदूर दिवस पर सनातन धर्म परिषद ने किया स्वच्छता दीदियों का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

मजदूर दिवस पर सनातन धर्म परिषद के संयोजन में भिलाई के सुपेला स्थित कॉफी हाउस में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमशील महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना था। इस अवसर पर भिलाई नगर निगम के अंतर्गत संचालित एसआरएलएम केंद्र में कार्यरत लगभग 100 महिलाओं को सम्मानित किया गया।

आयोजक राष्ट्रीय कायर्कारी अध्यक्ष वाय. राजेन्द्र कुमार राव व प्रदेश अध्यक्ष सुरज साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में विधायक रिकेश सेन (वैशाली नगर), विधायक देवेन्द्र यादव (भिलाई नगर), सर्व समाज कल्याण समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू),समाजसेवी नगर पालिक निगम मिलाई के सभापति गिरवर बंटी साहू , एम के साहू समाजसेवी जिला पंचायत सभापति दुर्ग श्रीमती श्रद्धा पुरेन्द्र साहू, नगर निगम ढफ्ड तिलेश्वर साहू, श्रीमती दिव्या भसीन एवं अधिवक्ता श्रीमती तुलसी साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस मौके पर समाजसेवी प्रीतिबाला साहू का जन्मदिन मनाया गया। मानव अधिकार संगठन से अध्यक्ष जितेंद्र हासवानी, उपाध्यक्ष जे. सूफी रूमी एवं महासचिव डी. मोहन राव उपस्थित रहे। प्रभात वेलफेयर सोसायटी से श्रीमती अनिता वर्मा एवं राजेश साहू ने भी सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा क्षेत्र से कराटे एसोसिएशन के प्रतिनिधि—नेशनल मेडलिस्ट एवं कोच गिरी राव, पी. राजू, राम कुमार पांडे, मांधी सोनी, भारत साहू, श्रवण साहू, शुभाष सोनी, कु. विधि मिश्रा, कु. काजल बेहरा एवं अमस्कान्त तिवारी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

नगर पालिक निगम से स्वास्थ्य अधिकारी के.के. सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सनातन धर्म परिषद के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों में पूर्व राष्ट्रीय कायर्कारी अध्यक्ष वाय. राजेन्द्र कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदीश देशमुख, राष्ट्रीय महासचिव शिवम त्रिवेदी, राष्ट्रीय सचिव शिव शंकर अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष सूरज साहू, प्रदेश महासचिव राजेश हरमुख, प्रदेश उपाध्यक्ष कुशल साहू, प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार साहू, प्रदेश कोषाध्यक्ष नवनील तिवारी, प्रदेश संयोजक नागेन्द्र दुबे, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मानसी गुलाटी, गीतांजलि कौशिक, प्रदेश सचिव श्रीमती यामिनी हस्मुख, सह-कोषाध्यक्ष कबीर साहू एवं विधि प्रमुख शहीरा शंकर साहू की सक्रिय भागीदारी रही।

चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी की मार में जल रहा रिसाली के नगरवासी संजीत विश्वकर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

भीषण गर्मी के बीच रिसाली नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का संकट गहराता जा रहा है। पानी की किल्लत, जर्जर सड़कें, गंदगी से भरी नालियां और उपेक्षित तालाबों को लेकर अब जनआक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री संजीत विश्वकर्मा ने रिसाली नगर निगम पहुंचकर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा और प्रशासन की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला।

ज्ञापन सौंपने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए संजीत विश्वकर्मा ने कहा कि रिसाली नगर निगम आज गर्मी की मार में जल रहा है, लेकिन निगम प्रशासन एसी कमरों में बैठकर केवल कागजी कार्रवाई में व्यस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि , स्टेशन मरौदा सहित कई वार्डों में महीनों से समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इनकी ओर ध्यान देने को तैयार नहीं हैं।

विश्वकर्मा ने विशेष रूप से वार्ड 16 से 21 का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यहां के लोग इस भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। सुबह से लेकर देर शाम तक लोग पानी की तलाश में भटकते रहते हैं, कई जगहों पर टैंकर की व्यवस्था भी नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तापमान लगातार बढ़ रहा है, तब पानी की व्यवस्था प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन निगम की लापरवाही ने लोगों को संकट में डाल दिया है।

इस दौरान उनके साथ लोकसभा अध्यक्ष की गीतेश्वरी बघेल भी मौजूद रहीं, जिन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को गंभीर बताते हुए कहा कि यह केवल एक-दो वार्ड की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे रिसाली क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का ढांचा चरमरा गया है। उन्होंने बताया कि सड़कों की हालत इतनी खराब है कि आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है, वहीं नालियों की सफाई नहीं होने से गंदगी फैल रही है और बीमारियों का डर बढ़ रहा है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि आम

आदमी पार्टी द्वारा पूर्व में भी कई बार नगर निगम को आवेदन पत्र देकर समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कारर्वाई नहीं हुई। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन जनता की परेशानियों को लेकर गंभीर नहीं है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे आवागमन में दिक्कत हो रही है और वातावरण दूषित हो रहा है।

संजीत विश्वकर्मा ने निगम आयुक्त पर सीधा हमला करते हुए कहा कि अगर निगम आयुक्त अपने दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन करते, तो आज लोगों को इस तरह परेशान नहीं होना पड़ता। उन्होंने मांग की कि तत्काल एक जांच टीम गठित कर प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही पानी की व्यवस्था, सड़क मरम्मत, नालियों और तालाबों की सफाई जैसे मुद्दों पर काम शुरू नहीं किया गया, तो आम आदमी पार्टी जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस स्थिति के लिए पूरी तरह से रिसाली नगर निगम और जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में अपनी समस्याओं को रखा। उपस्थित लोगों में गोविंदेश्वर वर्मा (बूथ अध्यक्ष), बसंती साहू, रीता नोहारी, गीता नोहारी, लावती नोहारी, प्रेमन देवी, मालती यादव, गोनमती और अर्जुन चौधरी सहित कई स्थानीय नागरिक शामिल थे। सभी ने प्रशासन से जल्द से जल्द राहत देने की मांग की।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि तालाबों की सफाई नहीं होने से पानी सड़ रहा है, जिससे बदबू फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। वहीं सड़कों पर गड्ढों के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गर्मी के इस दौर में पानी का संकट सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरा है। यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। आम आदमी पार्टी ने प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा।

अब देखना यह होगा कि निगम प्रशासन इस बढ़ते जनदबाव और राजनीतिक विरोध के बाद कितनी तेजी से कदम उठाता है। फिलहाल, रिसाली की जनता राहत की उम्मीद में प्रशासन की ओर टकटकी लगाए बैठी है, जबकि गर्मी का प्रकोप दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है।

बगिया से बस्तर' तक गूंजा सुशासन का स्वर–जनता से सीधा संवाद बना विश्वास का आधार

एल.डी. मानिकपुरी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, बजट प्रस्तुत करती हैं और विकास के दावे करती हैं, लेकिन इन सबकी सार्थकता तभी सिद्ध होती है जब उनका लाभ आम नागरिक तक पहुंचे और लोग स्वयं अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस करें। छत्तीसगढ़ में इसी सोच को साकार करने के लिए ह्यसुशासन तिहारह्ण जैसे अभिनव अभियान की शुरुआत की गई है।

1 मई से 10 जून तक चलने वाला यह 40 दिवसीय अभियान शासन को सीधे जनता के द्वार तक ले जाने का एक प्रभावी प्रयास है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी गांव-गांव और शहरों के वार्डों में पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुन रहे हैं और उनका समाधान कर रहे हैं। खास बात यह है कि यह पहल केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि संवाद, सहभागिता और समाधान पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस अभियान में सक्रिय भागीदारी इसे और अधिक प्रभावशाली बनाती है। उनका विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जमीनी हकीकत का आकलन करना और आम जनता से सीधा संवाद करना यह दर्शाता है कि नेतृत्व केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी प्रतिबद्ध है। तेज गर्मी और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच उनकी यह सक्रियता प्रशासनिक तंत्र के लिए भी एक प्रेरणा है। बसुशासन तिहार का मूल उद्देश्य शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाना है। जब अधिकारी सीधे गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं, तो न केवल वास्तविक स्थिति स्पष्ट होती है, बल्कि लोगों के भीतर यह विश्वास भी मजबूत होता है कि उनकी आवाज सुनी जा रही है। इस प्रकार की पहल प्रशासन में संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व दोनों को सुदृढ़ करती है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे 'लोगों की सुनें, उन्हें सुनाएं नहीं' की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार ही शासन की छवि तय करता है। इसलिए आमजन के साथ संवाद करते समय शालीनता, धैर्य और सम्मान अनिवार्य होना चाहिए। जब कोई नागरिक शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह अनुभव होना चाहिए कि उसकी बात गंभीरता से सुनी जा रही है।

प्रदेश में आयोजित समाधान शिविर इस अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जहां पंचायत और वार्ड स्तर पर लोगों से आवेदन लेकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे शासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है।

हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता उसके दीर्घकालिक प्रभाव और निरंतरता पर निर्भर करती है। निश्चित ही राज्य सरकार सुशासन तिहार से प्राप्त अनुभवों के आधार पर प्रशासनिक व्यवस्था में स्थायी सुधार करेंगे और यह संवाद की यह प्रक्रिया भी लगातार जारी रहेगी। सुशासन तिहार एक अभियान नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह इस बात का संकेत है कि यदि शासन और जनता के बीच विश्वास, संवाद और संवेदनशीलता बनी रहे, तो विकास की राह न केवल सशक्त होती है, बल्कि अधिक समावेशी बनेगी।

खास खबर

निर्माणाधीन नालंदा परिसर का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण : गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलरामपुर जिला मुख्यालय में 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, क्योंकि यह परिसर जिले के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने परिसर में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री, कार्य की प्रगति तथा प्रस्तावित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और गुणवत्ता के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी प्रभावी ढंग से कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नालंदा परिसर में आधुनिक ई-लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, समृद्ध अध्ययन सामग्री एवं पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे युवाओं को एक समग्र और अनुकूल अध्ययन वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाते हुए परिसर को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि जिले के विद्यार्थियों को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके। उन्होंने निरीक्षण के दौरान परिसर में प्रस्तावित अन्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और कहा कि नालंदा परिसर राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत युवाओं को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह परिसर जिले के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और अवसर का एक सशक्त केंद्र बनेगा तथा उनके भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वरोजगार की राह पर बढ़ते कदमः मुख्यमंत्री ने फरएळकमें देखा ग्रामीण सशक्तिकरण का मॉडल

स्वरोजगार की राह पर बढ़ते कदम : मुख्यमंत्री ने RSETI में देखा ग्राम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज सुशासन तिहार के अंतर्गत बलरामपुर जिला प्रवास के दौरान 'ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान' पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पशु सखियों से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षण कक्ष का अवलोकन करते हुए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली और प्रशिक्षणार्थियों से जय बिहान कहकर आत्मीय अभिवादन किया। उन्होंने विशेष रूप से पशुपालन का प्रशिक्षण ले रही पशु सखियों से संवाद करते हुए उनके अनुभवों को जाना और उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के बगरा क्लस्टर अंतर्गत ग्राम केवली की अनुराधा गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे बिहान योजना से जुड़कर पशु सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वे गांव में पशुओं का सर्वे कर पशु चिकित्सकों को सहयोग प्रदान करती हैं तथा ग्रामीणों को पशुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं बीमारियों के प्रति जागरूक करती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण से उन्हें अपने कार्य को और अधिक दक्षता के साथ करने में सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने ईंट जोड़कर किया श्रमदान : भैंसामुड़ा में पीएम आवास निर्माण का किया औचक अवलोकन

कच्ची झोपड़ी से पक्के घर तक का सपना हो रहा साकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान एक अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक दृश्य ग्राम भैंसामुड़ा में देखने को मिला, जिसने ग्रामीणों के मन में गहरी छाप छोड़ी।

विकासखंड पत्थलगांव के इस दूरस्थ गांव में पहुंचकर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण किया। गांव से गुजरते समय उनकी नजर हितग्राही श्रीमती अनुसुइया पैंकरा के निर्माणाधीन घर पर पड़ी, जिसके बाद वे तुरंत वाहन से उतरकर मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने न केवल कार्य की गुणवत्ता को परखा, बल्कि वहां कार्यरत श्रमिकों से आत्मीय संवाद भी किया। उन्होंने उनके परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि यही मेहनत प्रदेश के विकास की वास्तविक ताकत है।

इस दौरान मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सादगी का एक अनूठा उदाहरण तब सामने आया, जब उन्होंने स्वयं करणी उठाकर सीमेंट-गारा से ईंट जोड़ते हुए श्रमदान किया। मुख्यमंत्री को अपने हाथों से निर्माण कार्य में सहभागी होते देख वहां उपस्थित ग्रामीण भावुक हो उठे। यह दृश्य केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश बन गया। हितग्राही श्रीमती अनुसुइया पैंकरा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका वर्षों पुराना सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें पक्का घर मिल रहा है, जिससे उनके परिवार का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर चंदागढ़ के राजमिस्त्री मोहन चक्रेश से भी चर्चा की। उन्होंने उनके रोजगार, दैनिक मजदूरी और पारिवारिक स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री श्री साय की यह पहल केवल एक औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह गरीबों के प्रति उनकी संवेदनशीलता, सहभागिता और जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बन गई। इस घटना ने ग्रामीणों के मन में शासन के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया। इस दौरान पत्थलगांव क्षेत्र की विधायक श्रीमती गोमती साय और अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर रोहित व्यास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय पहुंचे लखपति दीदी सुमिला की किराना दुकान : लौंग-इलायची से हुआ स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के दौरान रविवार को जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अचानक गांव की एक छोटी-सी किराना दुकान पर पहुंच गए। यह दुकान लखपति दीदी सुमिला कोरवा द्वारा संचालित है, जिन्होंने अपनी मेहनत और संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है।

मुख्यमंत्री श्री साय का हेलीकॉप्टर गांव में उतरते ही वे सीधे हेलीपैड के पास स्थित सुमिला की दुकान पर पहुंचे। मुख्यमंत्री को सामने देखकर सुमिला कोरवा भावुक हो उठीं और उन्होंने परंपरागत अंदाज में लौंग-इलायची खिलाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुमिला से बातचीत कर उनकी जीवन-यात्रा के बारे में जाना। चर्चा के दौरान पता चला कि सुमिला ने मुद्रा योजना के तहत एक लाख रुपए का ऋण लेकर इस किराना दुकान की शुरुआत की थी। आज उनकी दुकान में रोजमर्रा के सामान के साथ-साथ फोटो कॉपी मशीन और फ्रिज की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे गांववासियों को ठंडा पानी और अन्य जरूरी वस्तुएं मिलती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दुकान से ठंडा पानी और फलाहारी चिवड़ा खरीदा और स्वयं अपने पर्स से पैसे निकालकर भुगतान किया। जब सुमिला ने पैसे लेने से मना किया, तो मुख्यमंत्री श्री साय ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह आपके मेहनत का हक है, इसे जरूर स्वीकार कीजिए। उन्होंने सुमिला के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि वनांचल क्षेत्र में रहकर लोगों की जरूरतों का ध्यान रखना बेहद सराहनीय है और यह अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

सुमिला ने बताया कि पहले वे खेती-बाड़ी में अपने परिवार का सहयोग करती थीं, लेकिन बाद में उन्होंने गांव में ही रोजगार के अवसर को देखते हुए दुकान शुरू करने का निर्णय लिया। आज उनकी दुकान गांव में अच्छी तरह चल रही है और परिवार की आय का महत्वपूर्ण स्रोत बन चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी बेटी प्रियंका, जो कसाबेल के कन्या हाईस्कूल में पढ़ाई करती है, इस बार अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त की है और गर्मी की छुट्टियों में दुकान में उनका हाथ बटा रही है।

सुमिला ने आगे बताया कि उनके परिवार के पास ट्रैक्टर और एक चारपहिया वाहन भी है, जिसे गांव के लोग खेती और शादी-ब्याह के कार्यों में किराए पर लेते हैं। वे दुकान के साथ-साथ घर और खेती की जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुमिला की मेहनत और जज्बे की खुले दिल से सराहना करते हुए कहा कि आपने अपनी मेहनत से लखपति दीदी का मुकाम हासिल किया है, आने वाले समय में आप करोड़पति दीदी भी बनेंगी। मुख्यमंत्री का यह सहज और मानवीय व्यवहार न केवल ग्रामीणों के दिलों को छू गया, बल्कि यह सुशासन तिहार के उस उद्देश्य को भी सार्थक करता नजर आया, जिसमें शासन और जनता के बीच सीधा, संवेदनशील और भरोसेमंद संवाद स्थापित करने की परिकल्पना की गई है।

राज्यपाल रमेन डेका ने धमतरी में जल संरक्षण, स्वास्थ्य और जनकल्याण पर दिया विशेष जोर

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रोपित किया पौधा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने धमतरी में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेते हुए विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जल संरक्षण, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता, नशा मुक्ति अभियान, जनमन कार्यक्रम, रेडक्रॉस गतिविधियों तथा नवाचारों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। राज्यपाल ने परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधा रोपित किया।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ धान उत्पादन के लिए प्रसिद्ध राज्य है, किंतु धान एक अधिक पानी वाली फसल है, इसलिए जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगाह किया कि आने वाले वर्षों में जल संकट गंभीर रूप ले सकता है, अतः सभी को अभी से सजग होकर पानी बचाने की दिशा में कार्य करना होगा। उन्होंने कम पानी में होने वाली फसलों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए सभी अधिकारियों से स्वयं पौधारोपण कर उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधे भविष्य में पहचान बनें और समाज में सकारात्मक संदेश दें। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में खाली पड़ी

भूमि पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने सिकल सेल बीमारी एवं मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए मरीजों की जानकारी ली तथा 40 वर्ष से अधिक आयु की शासकीय एवं कामकाजी महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं को स्वयं भी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

राज्यपाल ने जिले में एलोवेरा फसल की खेती की सराहना करते हुए इसके व्यापक बाजार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में आगे बढ़ने के सुझाव दिए। उन्होंने रेडक्रॉस से जुड़कर सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। पी एम जनमन कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष रूप से कमार जनजाति के जीवन स्तर में सुधार पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी पारंपरिक संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए उन्हें स्वच्छता, अनुशासन और बेहतर जीवन सुविधाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने अधिकारियों से समाज के हित में कम से कम एक सकारात्मक कार्य व्यक्तिगत स्तर पर भी करने का आह्वान किया, चाहे वह स्वच्छता, जागरूकता या सामाजिक सहयोग से संबंधित हो। बैठक में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं नवाचार की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत की गई कार्यवाही एवं अभियान की जानकारी दी गई।

संपादकीय

हादसों का एक कारण हादसे से सबक न लेना भी है

हादसा फैक्ट्री में हो, सड़क पर हो, पानी में हो ,मेले में हो, कहीं भी हो उसके अनेक कारण होते हैं लेकिन एक कारण जरूर लापरवाही होती है। जरा की किसी एक या अधिक लोगों की लापरवाही के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं और लोगों की जान जाती रहती है,परिवार,समाज व देश को जनहानि होती रहती है ।ऐसा भी नहीं है कि कोई हादसा पहली बार होता इसलिए कहा जाए कि पहली बार हुआ इसलिए लोग सावधान नहीं थे और सावधान न होने के कारण मारे गए। हर तरह के हादसे होते हैं,कई हादसे तो रोज होते हैं, कई हादसे,कई हादसे हर सप्ताह होते हैं,कई हादसे हर महीने होते हैं,कई हादसे तो हर साल होते हैं लेकिन उससे मनुष्य,उसका परिवार, समाज,संस्थाएं और सरकार कोई सबक नहीं लेती है। हादसे से अगर सबक लिया जाता तो एक हादसे के बाद दूसरा हादसा नहीं होता। दूसरा,तीसरा आजादी के पचास सालों में कई,सैकड़ों,हजारों हादसे हो चुके हैं, आगे भी होंगे तो इसीलिए होंगे कि इससे हम कोई सबक नहीं लेते हैं।

राज्य के वेदांता की फैक्ट्री में बायलर फटने से 25 श्रमिकों की मौत हुई है ।इससे पहले हुए बड़े हादसों को याद करें तो 2009 में बालकों कोरबा में 240 मीटर ऊंची चिमनी गिरने से 40 मजदूरों की मौत हुई थी,2006 में बलौदाबाजार में स्थित एक इस्पात प्लांट में डस्ट सेटलिंग चेंबर में हुए विस्फोट के कारण७ मजदूरों की मौत हो गई थी। 2025 में रायपुर के सिलतरा स्थित गोदावरी स्टील प्लांट में छत गिरने से ६ मजदूरों की मौत हो गई थी। 2024 में सरगुजा के एलुमिनियम प्लांट में कोयले से भरा कन्वेयर गिर जाने से 4 मजदूरों की मौत हो गई थी ।उद्योंगो को मजदूरों की सुरक्षा के सभी प्रबंधन किए जाने चाहिए लेकिन किए नहीं जाते हैं,इससे मजदूरों की जान जाती है ।श्रम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 33.29 लाख से अधिक पंजीकृत श्रमिक हैं, बीते तीन सालों में हुए औद्योगिक हादसों में 321 श्रमिकों की मौत हो चुकी है ।राज्य में हर तीसरे दिन एक श्रमिक की मौत किसी लापरवाही की वजह होती है ।हर हादसे के बाद औद्योगिक स्वास्थ्य सुरक्षा विभाग सभी नियमों का पालन करने का निर्देश देता है लेकिन औद्योगिक संस्थानों की नियमित मानिटरिंग न होने से नियमों का पालन होता नहीं है और परिणाम मजदूरों की मौत होती है।

हाल ही में कांकेर जिले में सरेंडर कर चुके नक्सलियों की सूचना पर जंगल मे डंप विस्फोटक सामान को ढूंढकर उसे नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरह के प्रयास में नारायणपुर जिले की सीमा में शनिवार को अदनार में पांच बोरियों में 15-5 किलो पटाखा बारुद मिला और उसे नष्ट किया जाना था,लेकिन नष्ट करने से पहले विस्फोट हो जाने से चार लोगों मौके पर ही मौत हो गई ।ऐसा नहीं है कि पहली बार ऐसा किया जा रहा था, इससे पहले नक्सलियों द्वारा लगाए गए बारुंदी सुरंग व विस्फोटक साम्रमी तलाश कर उसे कई बार नष्ट किया जा चुका है। इस बार भी ऐसा किया जाना था लेकिन विस्फोट हो गया और विस्फोट के विषय में यह कहा जा रहा है कि तापमान अधिक होने और केमिकल रियेक्शन होने के कारण विस्फोट हो गया। सही में हुआ क्या है, इसका पता तो जांच से चलेगा लेकिन यह तो साफ है कि हमेशा की तरह सुरक्षा के तमाम उपायों पर अमल नहीं किया गया। कहीं तो चूक हुई है ।ऐसे मामलों में जरा सी चूक भारी पड़ती है और विस्फोटक को नष्ट करने वाले ही मारे जाते हैं।

एक ही तरह की घटना दोबारा होती है तो उससे साफ हो जाता है कि पहले हुई घटना से कोई सबक नहीं लिया गया है। बस्तर के पहले कुछ महीनों पहले जम्मू कश्मीर के नौगाम पुलिस थाने में इसी तरह दूसरी जगह से लाकर थाने के मैदान में रखे 260 किलो विसफोटक में विस्फोट हुआ। तब मौके पर 9लोग मारे गए थे और 32 लोग घायल हुए थे। तब भी यही कहा गया कि विस्फोटकों का सैंपल लेते वक्त अचानक कैमिकल रियेक्शन होने की वजह से विस्फोट हुआ था ।किसी भी तरह का विस्फोटक पदार्थ हो, वह ठोस हो या तरल हो उसे नष्ट करने वालों को तो पता रहता है कि इनको रखते वक्त, कहीं से लाते वक्त क्या क्या सावधानी रखनी होती है। इसके बाद भी एक हादसे के बाद दूसरा हादसा होता है तो साफ है कि जो सावधानी विस्फोटकों को हैंडल करते वक्त बरती जानी चाहिए नही बरती जा रही है। एक हादसे के महीनों बाद वैसा ही दूसरा हादसा हो रहा है। हादसा कहीं भी तो उससे नुकसान तो परिवार,समाज,प्रदेश व देश को ही होता है। इसे रोकना सामूहिक जिम्मेदारी है ।सभी सावधान रहेंगे तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता है कोई एक भी असावधान हुआ तो ऐसे हादसे आगे भी होते रहेंगे।

बस्तर में तो अभी नक्सलवाद समाप्त हुआ है। सरेंडर किए नक्सलियों से सूचना मिल रही है कि नक्सलियों ने कहां पर विस्फोटक छिपा कर रखा है, कहां कहां पर बारूदी सुरंगे बिछाई गई हैं। कहां हथियार छिपा कर रखे गए हैं। यह सिलसिला अभी महीनों चल सकता है ।जब तक सभी हथियार,विस्फोटक सामग्री तलाश कर नष्ट नहीं कर दी जाती है, विस्फोट में आम लोगों को मारे जाने का अंदेशा बना रहेगा। सरकार की पूरी कोशिश है कि बस्तर में जहां कहीं भी बारूदी सुरंगे बिछाई गई है, उसे तलाश कर नष्ट कर दिया जाए ताकि नक्सलियों के अंत बाद भी बस्तर में कोई मारा न जाए। आने वाले दिनों में बस्तर में बारूद व विस्फोटक सामग्री मिलेगी इसलिए इस बार हुए हादसे से सबक लेने की जरूरत है ताकि फिर ऐसी घटना न हो और जवान हादसे में न मारे जाएं।

शांति स्थापना में मीडिया की आध्यात्मिक दृष्टि मददगार

नरेश कौशल

वर्तमान अशांत वैश्विक दौर में ब्रह्माकुमारी मिशन आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से शांति स्थापना के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ-साथ मीडिया भी यदि शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है।

ओम् शांति। वैसे तो 'ओम' रूपी इस अपार शांति सागर में मेरे विचार गागर में एक बूंद की माफिक होंगे। फिर भी वैश्विक शांति के लिए मीडिया की भूमिका कैसी होनी चाहिए, इस विषय पर अपने अनुभव, अपने विचार और सुझाव रखने का प्रयास कर रहा हूं। तो चलिये, 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस, रोल ऑफ मीडिया' के विषय पर चर्चा की शुरुआत कुछ इस तरह से करते हैं :-

निस्संदेह, विश्व आज सर्वाधिक अशांत दौर से गुज़र रहा है। चारों तरफभय और असुरक्षा का माहौल है। व्यक्ति, राष्ट्र से लेकर विश्व स्तर तक स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कोरोना काल से लेकर, यक्रेन युद्ध और आजकल अमेरिका-इस्राइल और ईरान द्वंद्व तक के संघर्ष ने दुनिया के अरबों लोगों के जीवन को अशांत बनाकर रख दिया है। हाल के दशकों में वैश्वीकरण और उदारीकरण के बाद दुनिया को एक वैश्विक गांव बनाने का जो सपना देखा गया था वह ध्वस्त होता नज़र आ रहा है। ऐसे हालात में 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस एंड रोल ऑफ मीडिया' विषय आज निश्चित रूप से समय की मांग है।

आज जहां संयुक्त परिवार बिखर कर 'एकल' में सिमटने लगे हैं, दाम्पत्य जीवन में टूटन बढ़ रही है। भागदौड़भरी जिंदगी जी रही युवा पीढ़ी में सहनशीलता, धैर्य का क्षरण हो रहा है। परिवार से लेकर समाज तक और समाज से लेकर देश-विदेश तक मानव मनोविकारों का संत्रास हमारे भाईचारे को, विश्व बंधुत्व के हमारे सपनों को चकनाचूर कर रहा है। सोचा तो यह था कि तकनीकी उन्नति समाज को और देशों को जोड़ने का काम करेगी, लेकिन उलटे दुनिया संघर्षों में उलझी दिखायी पड़ रही है। पूरी दुनिया में युद्ध, मृत्यु, तबाही, विस्थापन और मानवीय विपदाओं का अंतहीन सिलसिला चल निकला है। निस्संदेह ब्रह्माकुमारी मिशन विपदाओं के इस सिलसिले को थामने में आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ-साथ मीडिया भी शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे, अपनी सक्रिय भूमिका निभाने लग जाये तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है। पत्रकार युद्ध का सच बताने के साथ-साथ अगर बुद्ध के सच को भी उजागर करें तो यह समूची मानवता के लिये एक कल्याणकारी ऋषिकर्म होगा। संयोग से आज बुद्ध पूर्णिमा भी है, इसके लिए आप सबको बधाई!

इस मंच से उल्लेख जरूरी है कि जिस नारी के महत्व, जिस नारी की शक्ति को आज विश्वभर में पहचान मिलने लगी है। जिस नारी का वंदन करते हुए हमारी देश-प्रदेश की सरकारें 33 प्रतिशत का आरक्षण देने का प्रयास और प्रचार कर रही हैं, उस नारी की शक्ति को, उसके महत्व को ब्रह्माकुमारी मिशन के संस्थापक ब्रह्मतुल्य प्रजापिता ने कई दशक पूर्व आंक लिया था। आपकी इस संस्था में 35 या पचास नहीं, बल्कि शत-प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति के लिये कब का हो चुका। आपके प्रणेता जी ने भारतीय संस्कृति के संदेश : 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:' को पहले ही आत्मसात कर लिया।

शांतिप्रिय बंधुओ, बहनो और भाइयो, इस मंच से मुझे यह बताते हुए भी गर्व का अनुभव हो रहा है कि 'द ट्रिब्यून ट्रस्ट पब्लिकेशन' की हमारी संस्था में भी उच्च पदों पर नारी शक्ति का वर्चस्व है। द ट्रिब्यून की प्रधान संपादक, पंजाबी ट्रिब्यून की संपादक, दैनिक ट्रिब्यून की समाचार संपादक, चंडीगढ़, शिमला और दिल्ली ब्यूरो की प्रमुख के अलावा मानव संसाधन (एचआर) विभाग की प्रमुख भी बहन ही हैं। ट्रिब्यून संस्थान और ब्रह्माकुमारी विवि के मिशन में कई समानताएं भी हैं। ट्रिब्यून की स्थापना करीब 145 साल पहले तत्कालीन अविभाजित भारत के लाहौर में हुई थी और ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थापना करीब सौ साल पहले कराची में हुई थी। ट्रिब्यून संस्थान वर्ष 1881 से स्वतंत्रता आंदोलन, जनजागरण, सामाजिक सद्भाव और शांति फैलाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

तो चलिये विश्व शांति और इसमें मीडिया की भूमिका विषय पर फिर लौटते हैं। परिवारों से लेकर समाज तक और समाज से लेकर विश्व तक को शांति की माला में पिरोने के लिये निश्चय ही मीडिया अहम भूमिका निभा सकता है, विश्व शांति के लिये जनमत तैयार कर सकता है और इस तरह जागरूक हुआ जनमत दुनिया के नीति-नियंताओं से यह सवाल कर सकता है कि आखिर शांति के लिये बनाये गये संगठन अपना फर्ज अदा क्यों नहीं कर पा रहे। कौन सी शक्तियां हैं, जो इन संस्थानों को पंगु बना रही हैं। दुनिया के मठाधीशों से पूछा जाना चाहिये कि वैश्विक भाईचारा और विश्व शांति के उद्देश्य से बनाये गये संगठनों, मसलन- संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, जी-ट्वेंटी, जी-सेवन, ब्रिक्स और क्वाड के होते हुए अमेरिका, रूस जैसी महाशक्तियां, इस्राइल और आतंकी शक्तियां मानवता को रौंदने पर क्यों तुली हैं?

अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक सक्रिय मीडिया के मेरे साथियों, उठाओ अपना गांडीव रूपी कलम का अस्त्र, दागो। अरे विश्व शांति के मसीहा का ढोंग रचने वाले महाशक्तिमानो, आप किस हैसियत से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की जुगतें भिड़ा रहे हैं। मीडिया के शक्तिमानो जतला दो उन्हें कि कभी न कभी शांति का उजाला उनके झूठ के अंधकार को अवश्य निगल जायेगा। ऐसे हथियार विक्रेताओं को एक शायर की यह आवाज सुना दो :-

'तिरे चराग़ अलग हों मिरे चराग़ अलग, मगर उजाला तो फिर भी जुदा नहीं होता।'

मीडिया के मेरे दोस्तो, यह सच्चाई हमें माननी पड़ेगी कि सूचना की गति भले तेज हुई है, मगर संवेदना की गहराई कम हो रही है। मानवता के कल्याण के लिये हमें भी ब्रह्माकुमारी मिशनरियों की भांति शांति दूत की भूमिका निभानी होगी। मीडिया समाज का दर्पण ही नहीं बल्कि उसका मार्गदर्शक भी है। मीडिया की ताकत पर किसी शायर ने ठीक ही कहा है :-

लफ्जों से ही बनते हैं रिश्तों के कारवां, मीडिया चाहे तो जोड़ दे जहां।

इसलिए आज पीत पत्रकारिता की नहीं, बल्कि पीस पत्रकारिता की जरूरत है। युद्ध की तस्वीरें जरूरी हैं, मगर शांति-वार्ता की मेज की तस्वीरें उससे भी ज्यादा जरूरी हैं। महात्मा गांधी, बुद्ध, दादी प्रकाशमणि जी जैसे शांति दूतों के संदेश भी मीडिया की सुर्खियां बनें। याद रखिये, सरहदें नहीं रोक सकतीं संवेदनाओं का सैलाब। देश, धर्म, जाति चाहे अलग-अलग हों, दर्द सबका एक सा है। आंसू सबके एक से हैं। खून सबका एक सा है।

ब्रह्माकुमारी दीदी अक्सर कहती हैं, 'विचारों' से संसार बनता है। मीडिया विचारों का सबसे बड़ा माध्यम है। यदि मीडिया ठान ले तो चौबीस घंटे में पूरी दुनिया की सोच बदल सकता है। ब्रहमाकुमारी मिशन हमें सिखाता है कि शांति बाहर नहीं, भीतर से शुरू होती है। वैश्विक शांति के लिये मीडिया को संक्षेप में ये चार सूत्र देते हुए अपने विचारों को विराम देता हूं। एक- संवाद को संघर्ष पर प्राथमिकता दें। दो- संवेदनशील मुद्दों को संतुलित दृष्टिकोण से प्रस्तुत करें। तीन- सकारात्मक न्यूज़ स्टोरीज को प्रमुखता दें और अंत में चार- आध्यात्मिक मूल्यों करुणा, सहिष्णुता और मानवता को मंच प्रदान करें। ओम शांति।

(माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस, रोल ऑफ मीडिया' विषय के उद्घाटन सत्र में दिए गए व्याख्यान के अंश)

'कोविड-दयालुता' की भावना को फिर से जगाने की जरूरत है

एन. रघुरामन

1960 के दशक के उत्तरार्ध में एक दिन मैंने नागपुर के सीताबर्डी की मुख्य सड़क पर स्थित 'विश्रांति गृह' नामक रेस्तरां के बाहर अपनी साइकिल खड़ी की, ताकि वहां बैठी दंतविहीन वृद्धा से कुछ गजरे खरीद सकूं। जैसे ही वे उन्हें पैक करने लगीं, रेस्तरां के भीतर से एक वेटर बाहर आया और उन्हें पत्ते के कटोरे में दो गरम इडलियां और एक कप साम्भर थमा दिया।

वृद्धा ने उसे धन्यवाद दिया और धीमे से कहा, मैंने अभी तक अपनी 'बोहनी' भी नहीं की है। वेटर ने उत्तर दिया, साहब ने कहा है कि आपको भुगतान करने की जरूरत नहीं है। फिर उसने आगे जोड़ा कि उन्होंने देखा आपने अभी तक कुछ खाया नहीं है और आपके नाश्ते का समय काफी पहले ही बीत चुका है।

वृद्धा ने कैश काउंटर की ओर देखा, जहां रेस्तरां के मालिक मणि अय्यर अपनी सुपरिचित सफेद धोती और आधी बांह की कमीज पहने बैठे थे। वृद्धा ने उनकी तरफ देख कृतज्ञता में सिर झुकाया; अय्यर ने बस मुस्कराकर हाथ हिलाया और ग्राहकों से पैसे लेने में व्यस्त हो गए। जब वृद्धा ने मुझे गजरे थमाए, तो धीमे-से फुसफुसाकर कहा, वो भगवान का रूप हैं।

मैं मुस्कराया और चला गया। जब मैंने बाद में यह बात अपनी मां को बताई तो उन्होंने कहा, जब आप किसी के चेहरे पर भूख पढ़ सकें, तब उसे भोजन देना चाहिए। मणि अय्यर इसमें निपुण थे; वे रोजाना अपने दरवाजे से गुजरने वाले असंख्य भूखे चेहरों को जो देखते थे।

मां उपरोक्त शब्दों का अपने जीवन में पालन भी करती थीं। हर गर्मी में- मानसून से पहले- मजदूर हमारे घर की दीवारों पर सफेद रंग पोतने और छत पर लगी पारम्परिक, हाथ से बनी मिट्टी की खपरैलें बदलने आते थे। दोपहर के भोजन के समय मैं उन्हें एक कोने में बैठे देखता था, जहां वे अखबार में लपेटकर लाई सूखी रोटियां निकालकर, उन्हें केवल प्याज और हरी मिर्च के साथ खाते थे। उन्हें देखते हुए मैंने अकसर अपनी मां की आंखों में आंसू देखे। वे मजदूरों के लिए पहले से ही कुछ ग्रेवी वाला आइटम बनाकर रखती थीं। घर का बना ये भोजन करते समय उन मजदूरों के चेहरे पर चमक देखते ही बनती थी।

दशकों बाद, कोविड लॉकडाउन के दूसरे दिन सड़कों पर खामोशी पसरी हुई थी। केवल चिड़ियों के चहचहाने की आवाजें ही सुनाई देती थीं। कभी-कभार कोई सरकारी वाहन भी निकल जाता था। ग्यारहवें माले पर मौजूद मेरे फ्लैट से देखने पर दुनिया बहुत वीरान लगती थी। तब एक दिन एक पड़ोसी ने इंटरकॉम पर कॉल करके एक सवाल पूछा : आपके सिक्योरिटी गार्ड्स के भोजन का बंदोबस्त कैसे होगा? अपने परिवारों की रक्षा करने की हड़बड़ी में हममें से बहुतों ने इस बारे में सोचा तक नहीं था। तुरंत हमारी पूरी बिल्डिंग एकजुट हो गई।

हमने एक वॉट्सएप रोस्टर बनाया और उसमें यह शेड्यूल तैयार किया कि गार्ड्स को कौन चाय देगा और कौन उनके लिए जलपान का प्रबंध करेगा। वह 'कोविड-दयालुता' का एक छोटा-सा, किंतु संगठित प्रयास था, जो कुछ सप्ताहों तक चलता रहा और जिसकी मदद से हम लंबे समय तक टिके रहे।

इस शनिवार को जब मैंने कुकिंग की बढ़ती लागत के बारे में पढ़ा तो मुझे ये तमाम बातें याद हो आईं। छोटे रेस्तरां संचालक और स्ट्रीट वेंडर्स रसोई गैस की कीमतों में लगातार तीसरी बढ़ोतरी के कारण दबाव में आ गए हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक लागत बढ़ने से, 19 किलो का कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर लगभग 1,000 रुपए बढ़कर 3,000 रुपए से अधिक का हो गया है।

खाद्य तेलों और श्रम की अस्थिर लागतों के साथ मिलकर भोजनालयों- विशेष रूप से स्ट्रीट वेंडर्स को कीमतें 20-30% तक बढ़ाने या अपने उत्पादों की मात्रा को कम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इसने मुझे सोचने पर मजबूर किया कि जब एक कप चाय पहले ही सबसे छोटे कप में केवल दो घूंट भर मिलती है, तो एक स्ट्रीट वेंडर इसमें और कितना हिस्सा कम कर सकता है? अब- पहले से कहीं अधिक- हमें उन चेहरों को फिर से देखना होगा, ठीक वैसे ही जैसे मेरी मां और मणि अय्यर देखते थे- और उस दयालुता को याद रखना होगा, जो तब खाली जगहों को भरती है, जब अर्थव्यवस्था ऐसा नहीं कर पाती।

फंडा यह है कि दयालुता का एक छोटा-सा कृत्य भी न केवल उसे पाने वाले के जीवन को, बल्कि कई बार देने वाले को भी गहराई से बदल सकता है। इस बार, यदि संभव हो, तो इसे करके देखिए।

ऊर्जा-आत्मनिर्भरता की राह में बड़ा कदम

प्रमोद जोशी

स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की है। अब भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में हाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्वदेशी डिजाइन से निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने 6 अप्रैल को सफलतापूर्वक अपनी प्रथम 'क्रिटिकैलिटी' प्राप्त की, जो नाभिकीय चेन रिएक्शन की शुरुआत है। यह प्रोटोटाइप एफबीआर 500 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) रिएक्टर है, जिसे भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) ने तमिलनाडु के कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में निर्मित किया है।

यह तकनीक नाभिकीय ऊर्जा में यूरेनियम पर निर्भरता कम करेगी। इस उपलब्धि के साथ, भारत अपने तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जिसकी परिकल्पना डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने की थी। वैश्विक स्तर पर भी यह महत्वपूर्ण परिघटना है। इसके पूर्ण संचालन में आने के बाद, रूस के बाद भारत, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर का संचालन करने वाला, दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा।

ईरान-युद्ध के आर्थिक दुष्प्रभावों के साथ, दुनियाभर के देश ऊर्जा सुरक्षा की तलाश में हैं। ज्यादातर देश कोयले और पेट्रोलियम के रूप में फॉसिल फ्यूल के सहारे हैं, पर अब उनके खत्म होने का समय है। वैसे भी उनके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को देखते हुए विकल्पों की तलाश चल रही है। पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे विकल्पों की तुलना में नाभिकीय ऊर्जा सबसे आगे है, क्योंकि बड़े स्तर पर वही जरूरत पूरी कर सकती है। उसके साथ भविष्य के तकनीकी विकास भी जुड़े हैं, जो नए विकल्पों को खोलेंगे।

अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हाल में संलयन (फ्यूज़न) ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त घोषणा की है। व्यावसायिक रूप से इस पद्धति से बिजली बनाने में अभी कई दशक लगेंगे, पर भविष्य में यह ऊर्जा का विश्वसनीय स्रोत साबित होगा। यह बिजली भी परमाणु के नाभिकीय में छिपे ऊर्जा स्रोत पर आधारित होगी, पर अभी प्रचलित विखंडन पर आधारित नाभिकीय ऊर्जा से एकदम अलग और सुरक्षित होगी।

नाभिकीय ऊर्जा स्वच्छ है, पर उसके साथ दुर्घटनाओं के जोखिम हैं। इस वजह से जर्मनी ने 2023 में परमाणु विखंडन (फिज़न) को छोड़ने का फैसला किया है। वह भी परमाणु संलयन तकनीक पर भारी निवेश कर रहा है, जिसे वह भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा के रूप में देखता है। जापानी नेतृत्व ने 2011 की फुकुशिमा आपदा से पैदा हुई सार्वजनिक चिंताओं के बावजूद अब परमाणु ऊर्जा को फिर से अपनी प्राथमिकता बनाया है। ईरान युद्ध ने, उनके परमाणु संयंत्रों को फिर से खोलने और नए संयंत्र बनाने की बातें हैं। दक्षिण कोरिया पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा उत्पादकों में से एक है। वह भी अपनी असैनिक-परमाणु क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत में परमाणु ऊर्जा के सतत विकास के लिए फास्ट ब्रीडर की अनिवार्यता को डॉ. होमी भाभा ने 1950 के दशक में ही समझ लिया था। उन्होंने माना कि भारत में यूरेनियम के सीमित भंडार नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम को लंबे समय तक चला नहीं पाएंगे। उन्होंने यूरेनियम के कुशल उपयोग के लिए ब्रीडर प्रणाली का सुझाव दिया। भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थोरियम, दीर्घकालीन परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएफबीआर परियोजना की गतिविधियां 2003 में शुरू हुईं और उसी वर्ष 'भाविनी' नामक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की स्थापना हुई। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकैलिटी केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है। यह भारत के दीर्घकालिक परमाणु विज़न की परिपक्वता और उसकी स्वदेशी क्षमताओं की मजबूती को दर्शाती है। सीमित यूरेनियम संसाधनों से लेकर थोरियम-संचालित भविष्य तक, भारत का तीन-चरणीय कार्यक्रम अब क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। कल्पक्कम नाभिकीय परिसर में हुई प्रगति उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों में भरोसे को दर्शाती है।

जैसे-जैसे क्षमता का विस्तार होगा और नई प्रौद्योगिकियां आकार लेंगी, परमाणु ऊर्जा भारत के ऊर्जा मिश्रण में कहीं अधिक केंद्रीय भूमिका निभाने लगेगी। इस समय रूस ही फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) संचालित कर रहा है। हालांकि, कई देशों ने प्रायोगिक फास्ट रिएक्टर विकसित या संचालित किए हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, जर्मनी और चीन शामिल हैं, पर इनमें से ज्यादातर कार्यक्रम बंद हैं। इनकी लागत और तकनीकी सुरक्षा आड़े आई, पर भारत ने इन दिक्कतों पर काबू पाया है, क्योंकि यह तकनीक ही हमारी मददगार है।

भारत के पास सीमित यूरेनियम भंडार हैं, लेकिन थोरियम के विश्व के सबसे बड़े भंडारों में से एक है। इसके लिए हमारे परमाणु ऊर्जा विभाग ने तीन-चरणों वाला नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम बनाया है। इस कार्यक्रम का पहला चरण है, प्रेशराइज़्ड हैवी वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर), जिसमें प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग किया जाता है। इनमें प्रयुक्त ईंधन प्लूटोनियम उत्पन्न करता है, जो अगले चरण के लिए मुख्य इनपुट बनता है। दूसरा चरण है, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर)। चरण 1 से प्राप्त प्लूटोनियम का उपयोग फास्ट ब्रीडर रिएक्टरों में ईंधन के रूप में किया जाता है।

कल्पक्कम स्थित प्रोटोटाइप एफबीआर इस चरण में भारत के प्रवेश का संकेत देता है। इन रिएक्टरों का उपयोग थोरियम से यूरेनियम-233 बनाने के लिए किया जाएगा, जो चरण 3 की नींव रखेगा। चरण 3 है थोरियम-आधारित रिएक्टर। इसमें भारत के विशाल थोरियम भंडार का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाएगा, जिसमें चरण 2 में उत्पन्न यूरेनियम-233 को ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाएगा। थोरियम को व्यावहारिक रूप से असीमित ऊर्जा स्रोत माना जाता है और यह चरण भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की कुंजी है।

छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के अलावा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र अगली पीढ़ी के रिएक्टर डिजाइनों का विकास कर रहा है, जिनमें 200 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर-200), 55 मेगावाट विद्युत (एमडब्ल्यूई) एसएमआर-55, और हाइड्रोजन उत्पादन के लिए डिजाइन किया गया 5 मेगावाट तापीय (एमडब्ल्यूटीएच) तक का उच्च-ताप गैस-शीतित रिएक्टर शामिल है। इस मिशन को सफल बनाने के लिए सरकार ने 'द सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (शांति) अधिनियम, 2025' लागू किया है, जिसके तहत देश का निजी क्षेत्र भी नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन से जुड़ेगा।

देश में कोयले और नवीकरणीय स्रोतों के बाद बिजली का पांचवां सबसे बड़ा स्रोत नाभिकीय ऊर्जा है, जो कुल उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत है। अप्रैल, 2026 तक, भारत में 22 से अधिक रिएक्टरों के माध्यम से 8.8 गीगावॉट की स्थापित क्षमता है। इसे 2047 तक इसे बढ़ाकर 100 गीगावॉट करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से स्वदेशी तकनीक प्रेशराइड हैवी वॉटर रिएक्टर पर आधारित है और कजाकिस्तान के साथ हाल में यूरेनियम सौदों से मजबूत हुआ है।

हाल में शुरू किए गए 'परमाणु मिशन' के अंतर्गत, 2033 तक पांच लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) स्थापित करने की योजना भी है, जो खास तौर से उद्योग, घनी आबादी वाले क्षेत्रों, ग्रिड कनेक्शन से वंचित दूर-दराज़ के क्षेत्रों, थर्मल संयंत्रों के पुनः उपयोग आदि के लिए उपयोगी होंगे। अब भविष्य में नाभिकीय ऊर्जा केवल पूरक स्रोत नहीं रहेगी। सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु विद्युत उत्पादन क्षमता प्राप्त करना है। नाभिकीय ऊर्जा बिजली का बेस स्रोत बनेगा, जो चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। यह पनबिजली, सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों के मुकाबले ज्यादा बड़े स्तर पर उपलब्ध भी होगा। यह केवल फौरी विकल्प नहीं, बल्कि दीर्घकालीन व्यावहारिक आवश्यकता है।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

लोकमंगल के लिए था देवर्षि नारद का संवाद : प्रो. संजय द्विवेदी

'स्व' का बोध राष्ट्र के विकास के लिए जरुरी- प्रो .विनय कुमार पाठक, नारद जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान

नई दृष्टिबिंदु / कानपुर

भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी का कहना है कि नारद जी की लोक छवि जैसी बनी और बनाई गई है, वे उससे सवर्था अलग हैं। उनकी लोक छवि झगड़ा लगाने या कलह पैदा करने वाले व्यक्ति की है, जबकि उनके प्रत्येक संवाद में लोकमंगल की भावना ही है। ईश्वर के दूत के रूप में उनकी आवाजाही और कार्य हमें बताते हैं कि वे निरर्थक संवाद और प्रवास नहीं करते। उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता, सतत प्रवास और उद्देश्य की पवित्रता तीन ऐसे गुण हैं जो किसी भी पत्रकार के लिए अनिवार्य हैं।

प्रो.द्विवेदी यहां छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा देवर्षि नारद जी की जयंती के अवसर पर आयोजित विशेष व्याख्यान को आनलाइन संबोधित कर रहे थे। व्याख्यान का विषय था- राष्ट्रवादी पत्रकारिता में स्व का बोध, जिसमें पत्रकारिता के मूल्यों, जिम्मेदारियों और राष्ट्र निर्माण में मीडिया की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने की।

इस मौके पर प्रो.द्विवेदी ने कहा नारद जी देवताओं, राक्षसों और समाज के सब वर्गों से संवाद रखते हैं। सब उन पर भरोसा करते हैं। वे सबके सलाहकार, मित्र, आचार्य और मार्गदर्शक हैं। वे कालातीत हैं। सभी युगों और सभी लोकों में समान भाव से भ्रमण करने वाले। ईश्वर के विषय में जब वे हमें बताते हैं, तो उनका दार्शनिक व्यक्तित्व भी सामने आता है। प्रो.द्विवेदी ने कहा कि नारद जी महान ऋषि परंपरा से

आते हैं, किंतु कोई आश्रम नहीं बनाते, कोई मठ नहीं बनाते। वे सतत प्रवास पर रहते हैं ,उनकी हर यात्रा उदेश्यपरक है। उनका उद्देश्य तो निरंतर संपर्क और संवाद ही है, किंतु वे जो कुछ कहते और करते हैं, उससे लोकमंगल संभव होता है। उनसे सतत संवाद,सतत प्रवास, सतत संपर्क, समाज हित के लिए संचार करने की सीख ग्रहण की जा सकती है। उनका कहना था कि सुंदर दुनिया बनाने के लिए सार्वजनिक संवाद में शुचिता और मूल्यबोध की चेतना

आवश्यक है। इससे ही हमारा संवाद लोकहित केंद्रित बनेगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि देवर्षि नारद को भारतीय परंपरा में प्रथम पत्रकार माना जाता है, जिन्होंने सदैव सत्य और लोकहित को प्राथमिकता दी। ऐसे में उनके आदर्श आज भी पत्रकारिता के छात्रों और पेशेवरों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के मूल्यों को बचाना ही आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है । अपनी संस्कृति और कर्तव्यों का शाश्वत परिचय ही स्व का बोध है, 'स्व' का बोध राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है ।

विभागाध्यक्ष डॉ. दिवाकर अवस्थी ने कहा कि आज का दिन केवल एक पौराणिक जयंती नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय पत्रकारिता के मूल्यों और आदर्शों पर आत्ममंथन करने का दिन है। महर्षि नारद जी का जीवन हमें सिखाता है कि सूचना की गति से अधिक उसकी सत्यता और उद्देश्य महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. हरिओम कुमार ने कहा कि वैश्विक पटल पर संवाद करने के लिए नारद संचार मॉडल को स्थापित करने की आवश्यकता है । कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. ओम शंकर गुप्ता ने कहा कि देवर्षि नारद जी का व्यक्तित्व और उनकी कायर्शैली मीडिया जगत के लिए एक मार्गदर्शक स्तंभ की तरह है। मीडिया छात्रों को नारद संवाद का अध्ययन करना चाहिए ।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह आचार्य डॉ.योगेंद्र कुमार पांडेय ने किया । इस कार्यक्रम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ.जितेंद्र डबराल, प्रेम किशोर शुक्ला, सागर कनौजिया समेत कई छात्र -छात्राएं ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

कलेक्टर अभिजीत ने खुद की काउंसलिंग, परिवार परामर्श केंद्र की प्रक्रिया को परखा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला थाना दुर्ग स्थित परिवार परामर्श केंद्र में शनिवार को कलेक्टर अभिजीत सिंह ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने काउंसलिंग प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया और रविवार को पुरुष पक्ष की शिकायतों पर चल रहे सत्र में खुद शामिल होकर पक्षकारों को परामर्श दिया।

कलेक्टर ने सभी काउंसलरों से मुलाकात कर उनके अनुभव, काउंसलिंग के दौरान आने वाली दिक्कतें और समाधान के तरीकों पर चर्चा की। पारिवारिक विवादों के निपटारे के लिए अपनाई जा रही प्रक्रिया की समीक्षा भी की। कलेक्टर ने काउंसलिंग सत्र में खुद भाग लेकर प्रक्रिया को व्यावहारिक तौर पर समझा। उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली को और प्रभावी व परिणामोन्मुख बनाने के लिए काउंसलरों से सुझाव भी मांगे।

महिला थाना दुर्ग के सभी काउंसलरों और स्टाफ की सक्रिय भूमिका से कार्यक्रम सफल रहा। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए परिवार परामर्श केंद्र की विधिक और परामर्श सेवाओं का लाभ लें। समस्याओं का निपटारा शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से करें।

नीट-2026 : कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं परखीं

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित नीट-2026 परीक्षा के दौरान कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा की वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जिले के सभी 6 केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और नियंत्रित माहौल में संपन्न हुई।

कलेक्टर ने केंद्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फुटेज देखी और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। प्राथमिक चिकित्सा सामग्री और मेडिकल सपोर्ट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि जरूरत पड़ने पर परीक्षार्थियों को तुरंत मदद दी जाए।

कलेक्टर ने केंद्र प्रभारियों से परीक्षार्थियों के प्रवेश, बैठने की व्यवस्था, फ्रिस्किंग और दस्तावेज सत्यापन की पूरी प्रक्रिया समझी। ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और पयर्वेक्षकों से भी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सभी को गंभीरता और जिम्मेदारी से ड्यूटी निभाने को कहा। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि परीक्षा की शुचिता, सुरक्षा और पारदर्शिता जिला प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सभी एजेंसियां समन्वय से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी 6 केंद्रों पर परीक्षा बिना किसी अवरोध के संचालित हुई और अभ्यर्थियों को कोई असुविधा नहीं हुई।

काम पर जाने के विवाद में पत्नी ने की पति की हत्या, राजनांदगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना सोमनी पुलिस ने पति की हत्या के आरोप में पत्नी को गिरफ्तार किया है। 27 जुलाई 2025 को काम पर जाने और पैसे को लेकर हुए झगड़े में पत्नी ने हाथ-नाखून से हमला कर और गला दबाकर पति की जान ले ली। इलाज के दौरान पति तामेश्वर पारकर की मौत हो गई। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने आरोपी पत्नी लक्ष्मी बाई को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

पुलिस के मुताबिक मृतक तामेश्वर पारकर और पत्नी लक्ष्मी बाई पारकर, निवासी ग्राम अंजोरा थनौद रोड, के बीच 27 जुलाई 2025 को काम पर जाने और पैसे देने की बात पर विवाद हुआ था। लक्ष्मी बाई पति को बिना बताए काम पर चली गई थी। काम से लौटने पर तामेश्वर ने पत्नी को काम पर जाने से मना किया। इसी बात पर दोनों में झगड़ा और मारपीट शुरू हो गई। विवाद के दौरान लक्ष्मी ने हाथ और नाखून से वार किया, फिर गला दबा दिया। गंभीर हालत में तामेश्वर को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर कई पुरानी चोटें मिलीं। डॉक्टर ने मौत को हत्यात्मक बताया। इसके बाद थाना सोमनी में लक्ष्मी बाई के खिलाफ धारा 103(1) BNS के तहत हत्या का केस दर्ज किया गया।

एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और सीएसपी अलेक्जेंडर के पयर्वेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण नामदेव की टीम ने आरोपी लक्ष्मी बाई, उम्र 34 वर्ष, को हिरासत में लिया। पूछताछ में लक्ष्मी ने जुर्म कबूल कर लिया। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया ।ब इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अरुण कुमार नामदेव, प्रधान आरक्षक डुलेश्वर साहू, आरक्षक हरमुख देशमुख, दिनेश वर्मा, मनोज ठाकुर, महिला आरक्षक मिथलेश निषाद, सरिता साहू, हीमा चंद्राकर और थाना स्टाफ का अहम योगदान रहा।

"बोरे बासी" को लेकर स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव का बयान छत्तीसगढ़ियों का अपमान : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने "बोरे बासी" को लेकर स्कूली शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बयान को छत्तीसगढ़ वासियों के लिए अपमानजनक कहा है। उन्होंने कहा कि मंत्री, छत्तीसगढ़ की संस्कृति, धरोहर और खान-पान से परिचित नहीं हैं। छत्तीसगढ़िया इस बोरे बासी को खाकर अपने को गौरवान्वित महसूस करता है और अपने छत्तीसगढ़ी होने पर गर्व करता है, मंत्री का बयान निन्दनीय है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि मंत्री कह रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में बहुत पहले गरीब, लाचार और भुखमरी के शिकार लोग मजबूरी में बोरे बासी का सेवन करते थे, अब वह स्थिति नहीं है। तो वह कहना चाहेंगे कि बोरे बासी न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत की संस्कृति है। भारत के कई राज्य उड़ीसा, झारखंड, बिहार, साउथ के कई राज्यों में अलग-अलग नाम से बोरे बासी खाया जाता है। यह काफी पौष्टिक होता है। छत्तीसगढ़ में खानपान की यह एक सैकड़ों साल पुरानी संस्कृति है जिसे छत्तीसगढ़ के लोग आज भी भूले नहीं है वे पूरे गर्व के साथ बोरे बासी का सेवन करते हैं।

श्री चंद्राकर ने कहा कि बोरे बासी छत्तीसगढ़ के गरीबों का भोजन नहीं बल्कि यहां की एक संस्कृति है, इसके विरोध में बयान देना गलत है और छत्तीसगढ़ियों का अपमान है प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस बोरे बासी का सम्मान किया है। छत्तीसगढ़ के श्रमिकों को सम्मान करने का दिन मई दिवस को इसके लिए चुना है जिसकी पूरे प्रदेश के लोगों ने प्रशंसा की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का भी यह बयान कि जब बोरे बासी रोज खाते हैं तो इसके लिए दिवस मनाने की क्या जरूरत है। यह भी काफी हास्यास्पद है। उन्हें भी छत्तीसगढ़ के लोगों की मूल भावना से कोई लेना देना नहीं है।

"बोरे बासी" खाने के फायदे

श्री चंद्राकर ने बताया कि बोरे बासी छत्तीसगढ़ का एक पारंपरिक और बेहद पौष्टिक भोजन है। यह मुख्य रूप से शरीर को ठंडक प्रदान करता है, डिहाइड्रेशन से बचाता है, और पेट की गर्मी को कम करता है। इसमें विटामिन बी 12, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो पाचन में सुधार और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं।बोरे बासी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है और कब्ज, गैस की समस्या को दूर करता है।इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता और ताजगी बनाए रखता है।

बंगाल मतगणना में बड़ा उलटफेर : शुरुआती रुझानों में भाजपा आगे, टीएमसी पिछड़ी

नई दृष्टिबिंदु / कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दो चरणों के लिए मतगणना सोमवार सुबह 8 बजे से राज्यभर के 77 केंद्रों पर शुरू हुई। कुल 294 सीटों में से 293 सीटों पर ही काउंटिंग हो रही है, जबकि दक्षिण 24 परगना की फाल्टा सीट पर पुनर्मतदान 21 मई को होगा और उसका परिणाम 24 मई को घोषित किया जाएगा। चुनाव आयोग ने इस बार सुरक्षा कारणों से मतगणना केंद्रों की संख्या घटाकर 77 कर दी है। सभी केंद्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है, जिसमें सबसे अंदरूनी घेरा केंद्रीय बलों के जिम्मे रखा गया है।

मतगणना के शुरुआती दो घंटों के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी ने बढ़त बनाते हुए 150 के आंकड़े की ओर बढ़ने के संकेत दिए हैं, जबकि

तृणमूल कांग्रेस का ग्राफ नीचे जाता दिखाई दे रहा है। शुरुआती रुझानों के मुताबिक भाजपा कई सीटों पर आगे चल रही है और बड़ा उलटफेर होता नजर आ रहा है।

राज्य की हाईप्रोफाइल सीटों पर भी दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। Mamata Banerjee के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी कड़ी चुनौती दिखाई दे रही है। वहीं Suvendu Adhikari नंदीग्राम और भवानीपुर सीटों पर बढ़त बनाए हुए बताए जा रहे हैं।

कोलकाता पोर्ट क्षेत्र में Firhad Hakim भी पीछे चल रहे हैं, जिससे टीएमसी खेमे में चिंता बढ़ गई है। रुझानों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। यदि यही ट्रेंड जारी रहता है, तो पश्चिम बंगाल की सियासत में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि अंतिम नतीजों के लिए अभी इंतजार करना होगा, क्योंकि कई सीटों पर मुकाबला बेहद करीबी है।

97% लाकर टॉपर बनी भाविका का घर जाकर सम्मान, पिता ने वीडियो कॉल पर कहा- बेटी ही गर्व है

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

10वीं बोर्ड में 97% अंक हासिल कर हेरिटेज पब्लिक स्कूल में प्रथम स्थान पाने वाली छात्रा भाविका मिश्रा का भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ ने घर पहुंचकर सम्मान किया। अनंतनाग में सीआरपीएफ में तैनात पिता अजय मिश्रा वीडियो कॉल पर जुड़े और बेटी की सफलता पर भावुक हो गए। बोले, "हमारी बेटी ही हमारा सबसे बड़ा सम्मान है।"

शिक्षा प्रकोष्ठ ने दिया गीता, शॉल और कलम

भाजपा जिला भिलाई शिक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने भाविका को गीता, शॉल, श्रीफल और कलम भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर रायपुर संभाग प्रभारी बृजमोहन उपाध्याय, कन्हैया सोनी, शारदा गुप्ता और जिला संयोजक विनोद उपाध्याय मौजूद रहे।

मां-नाना-नानी रहे साथ, गणित शिक्षक को दिया श्रेय : सम्मान समारोह

में भाविका की मां रीना मिश्रा, नाना संकर्षण प्रसाद तिवारी और नानी कुष्मा तिवारी मौजूद थीं। भाविका ने सफलता का श्रेय गणित शिक्षक श्यामू पाण्डेय को दिया। कहा, "उनके मार्गदर्शन और विश्वास ने ही मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया।"

आईआईटी का है लक्ष्य

भाविका ने बताया कि वह गणित लेकर आगे पढ़ाई करेंगी और आईआईटी में चयन का लक्ष्य रखा है। बृजमोहन उपाध्याय ने कहा कि भाविका की सफलता माता-पिता के त्याग और संस्कार का उदाहरण है। कन्हैया सोनी बोले कि अनुशासन और सुनियोजित अध्ययन से कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है। शारदा गुप्ता ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विनोद उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ी शक्ति है और भाविका की उपलब्धि पूरे जिले के लिए प्रेरणा है।

तमिलनाडु में थलपति की दस्तक : रुझानों में विजय की पार्टी को बहुमत का मिला संकेत

नई दृष्टिबिंदु / चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव होता नजर आ रहा है। विधानसभा चुनाव 2026 के शुरुआती रुझानों में अभिनेता से नेता बने Vijay की पार्टी Tamilaga Vettri Kazhagam (टीवीके) को स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है। 234 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत होती है, जबकि रुझानों में टीवीके 100 से अधिक सीटों पर आगे बताई जा रही है।

थलपति शब्द तमिल मूल का है, जिसका अर्थ होता है कमांडर या जननेता। विजय को लंबे समय से उनके समर्थक इसी नाम से संबोधित करते रहे हैं, और अब चुनावी मैदान में भी यह पहचान असर दिखाती नजर आ रही है।

परंपरागत दलों को चुनौती

रुझानों के मुताबिक राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ताकतों—ऊ्टङ और AIADMK—को कड़ी चुनौती मिल रही है। कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होता दिख रहा है, जहां टीवीके ने मजबूत पैठ बनाई है।

युवा और शहरी वोट का असर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विजय की लोकप्रियता, खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं के बीच, इस बढ़त की बड़ी वजह बन रही है। उनकी रैलियों में उमड़ी भीड़ और सोशल मीडिया पर सक्रिय समर्थन का असर अब चुनावी रुझानों में भी दिखाई दे रहा है।

क्या बनेगा नया राजनीतिक अध्याय?

अगर ये रुझान नतीजों में तब्दील होते हैं, तो तमिलनाडु की राजनीति में दशकों बाद एक नया चेहरा सत्ता की कमान संभाल सकता है। इससे राज्य की पारंपरिक द्विदलीय राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है। फिलहाल अंतिम नतीजों का इंतजार है, लेकिन शुरुआती संकेत साफ हैं—तमिलनाडु को जल्द ही अपना नया थलपति मिल सकता है।

क्या बन रहा है 'मडगांव एक्सप्रेस' का सीक्वल? दिव्येंदु ने किया बड़ा खुलासा

एक्टर कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' 22 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी और दिव्येंदु लीड रोल में थे। फिल्म को दर्शकों के ओर से भी काफी तारीफें मिली थी। अब इसके सीक्वल को लेकर मिर्जापुर एक्टर दिव्येंदु ने बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।

सीक्वल पर बोले दिव्येंदु

एक्टर दिव्येंदु ने कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का सीक्वल बनने जा रहा है। डायरेक्टर कुणाल खेमू इस पर काम शुरू कर चुके हैं और स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। वैरायटी इंडिया से खास बातचीत में दिव्येंदु ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस फिल्म का सीक्वल अब आगे बढ़ रहा है।

मिला शानदार रिसपॉन्स

एक्टर ने यह भी बताया कि दर्शकों से मिले शानदार रिस्पॉन्स ने ही टीम को सीक्वल बनाने के लिए इंस्पायर किया। उन्होंने कहा, 'मडगांव एक्सप्रेस' को जो रिस्पॉन्स मिला, वो बहुत... मतलब इसकी एक अलग ही तरह की फॉलोइंग बन गई है। मैं इसे 'कल्ट' नहीं कहूंगा, क्योंकि फिल्म अभी नई है। इसे और समय चाहिए, ताकि ये और मजबूत हो सके। लेकिन हां, लोग इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।'

'मडगांव एक्सप्रेस' के बारे में

'मडगांव एक्सप्रेस' एक डार्क कॉमेडी फिल्म है, जो तीन बचपन के दोस्तों की गोवा सफर की कहानी बताती है, जो कई मुश्किलों के कारण अराजकता में बदल जाती है। यह फिल्म 22 मार्च, 2024 को रिलीज हुई थी और इसे आलोचकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

अदा शर्मा ने बताया 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी संग काम करने का अनुभव

अदा शर्मा जल्द ही फिल्म 'गवर्नर' में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह पहली बार है, जब दोनों सितारे पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म से मनोज और अदा का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। हाल ही में अभिनेत्री ने मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया।

मनोज बाजपेयी के साथ काम करके खुश अदा

अदा शर्मा ने आगामी फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए खुशी जताई है। उन्होंने कहा ,'मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करके बहुत खुशी हो रही है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं, जो खुद भी एक शानदार एक्टर हैं'। उन्होंने मनोज बाजपेयी की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बताया। अदा ने बताया है कि वे उनके साथ काम करके बेहद खुश हैं।

मेरे किरदार में कई सरप्राइज हैं

अदा शर्मा ने मनोज के साथ पहली बार काम करने के बारे में बात करते हुए कहा, 'वह इस फिल्म का चेहरा हैं।

'गवर्नर' में वह गवर्नर की भूमिका निभा रहे हैं, और वे वाकई जबर्दस्त हैं'। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उनके साथ काम करके अच्छा लग रहा है। हमारे डायरेक्टर बहुत ही बेहतरीन हैं। मेरे किरदार में भी एक अच्छा-खासा सरप्राइज है और यह कुछ ऐसा रोल है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया है'। हालांकि, अदा ने अपनी आने वाली फिल्म में अपने किरदार के बारे में ज्यादा डिटेल्स साझा नहीं कीं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'गवर्नर : द साइलेंट सेवियर' का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह ने किया है। यह एक राजनीतिक थ्रिलर फिल्म है, जो देश के किसी राष्ट्रीय संकट के इर्द-गिर्द बुनी हुई है। इसकी कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भरत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। जावेद अख्तर ने इसके गीत लिखे हैं, वहीं म्यूजिक अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म का निर्देशन चिन्मय मांडलेकर ने किया है।

अहमद खान की फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी शनाया कपूर

निर्देशक अहमद खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म के बाद अहमद एक जॉम्बी कॉमेडी फिल्म पर काम करेंगे। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ लीड हीरो के रोल में नजर आएंगे और उनके अपोजिट इस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हो चुकी है इस जॉम्बी कॉमेडी फिल्म का निर्देशन अहमद खान करेंगे। फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला है। टाइगर श्रॉफ इस प्रोजेक्ट से जुड़ चुके हैं। अब मुख्य अभिनेत्री के तौर पर शनाया कपूर का नाम सामने आया है। हालांकि, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म की बाकी डिटेल्स को अभी गुप्त रखा गया है।

शनाया कपूर और टाइगर श्रॉफ की फिल्में

शनाया कपूर ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से की थी। उसके बाद उन्होंने आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' की है, जिसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। अब वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। वहीं, टाइगर श्रॉफ अभी फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर और लक्ष्य मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही है।

अहमद खान की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'

अहमद खान निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 30 से ज्यादा बड़े कलाकार काम कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर और कई कलाकार शामिल हैं। अहमद खान ने बताया कि इतनी बड़ी कास्ट को एक साथ मैनेज करना बहुत मुश्किल था। अभिनेताओं की डेट्स, बजट और बाकी जरूरतों को संभालना आसान नहीं रहा। फिर भी उन्होंने यह फिल्म पूरी की।

'भूत-बंगला' ने बदली वामिका गब्बी की किस्मत, बनी करियर की पहली 100-करोड़ी फिल्म

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की कॉमेडी से भरी फिल्म 'भूत-बंगला' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है और यह वामिका गब्बी की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया है। अभिनेत्री ने फिल्म के 100 करोड़ से अधिक की कमाई पर खुशी जाहिर की है और फिल्म के मेकर्स और को-स्टार को दिल से धन्यवाद दिया है। वामिका गब्बी ने फिल्म भूत-बंगला में अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया है और फिल्म की कमाई की रफ्तार से अभिनेत्री काफी खुश हैं क्योंकि यह उनके करियर की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की अनसीन फोटोज को शेयर कर अपने को-स्टार और क्रू मेंबर्स को दिल से धन्यवाद दिया है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस फोटोज को शेयर कर लिखा, 'मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन सर, अक्षय कुमार, एकता कपूर और एफ.ए.ए.आर.ए. के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ इसमें लगा दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है।' वामिका ने फिल्म को ढेर सारा प्यार देने के लिए दर्शकों का भी दिल से धन्यवाद दिया है। उनका कहना है कि दर्शकों के दिलों में फिल्म और उन्होंने भी एक खास जगह बना ली है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'यहां तक का हर कदम मेहनत, सीख और गहरी भावनाओं से भरा है। यह तो बस शुरुआत है... मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी... हमेशा।' बता दें कि वामिका गब्बी की झोली में पांच फिल्में हैं, जो आने वाले सालों में रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री मिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म 'जिनी,' दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग,' 'पति पत्नी और वो दो', पंजाबी फिल्म 'किकली,' और एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म 'जी-2' में भी दिखने वाली है। कुछ फिल्में इसी साल तो कुछ फिल्में साल 2027 में रिलीज होने वाली हैं।

दर्शील सफारी ने नेपोटिज्म पर रखी राय

बचपन में 'तारे जमीन पर' से घर-घर में पहचान बनाने वाले दर्शील सफारी का सफर सिर्फ एक फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं रहा। शुरुआती स्टारडम के बाद उन्हें लंबे समय तक खुद को फिर से साबित करने की चुनौती का सामना करना पड़ा। हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान दर्शील ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म, अपने स्ट्रगल, बदलती सोच और बाबिल खान को लेकर उठे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी।

नेपोटिज्म की बहस में छिपी है असली सच्चाई

वह कहते हैं, 'लोग बाहर से इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखते हैं। लेकिन अंदर आकर समझ आता है कि चीजें इतनी सिंपल नहीं हैं। नेपोटिज्म की बात होती है, लेकिन अगर मैं किसी को जानता हूं, उसके साथ पहले काम कर चुका हूं, तो मैं उसी के साथ काम करना चाहूंगा। किसी अनजान के साथ रिस्क लेना हर कोई नहीं चाहता। ये नेपोटिज्म का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन ये इंसानी नेचर भी है।'

दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं

दर्शील आगे कहते हैं, 'इसका मतलब ये नहीं है कि बाहर वालों के लिए दरवाजे बंद हैं। सच ये है कि दरवाजे बंद नहीं होते, हम कोशिश करना बंद कर देते हैं। अगर आप खुद जाकर अपना काम नहीं दिखाओगे, तो कोई आपको ढूंढने नहीं आएगा। आपको खुद सामने आना पड़ेगा। खुद बताना पड़ेगा कि आप क्या कर सकते हो।'

नेगेटिव सोच आपको लिमिट कर देती है

अपने करियर के उतार चढ़ाव पर वह साफ कहते हैं, 'बहुत बार ऐसा होता है कि हम बैठकर सोचते रहते हैं कि मेरे साथ ये गलत हुआ, मुझे ये मौका नहीं मिला। और उसी में हम खुद को लिमिट कर लेते हैं। मैं हमेशा यही सोचता हूं कि मेरे पास क्या है और मैं उससे क्या बेहतर कर सकता हूं। नेगेटिव सोच आपको कहीं नहीं ले जाती।'

स्टार किड्स पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है

मई 2025 में दिवंगत इरफान खान के बेटे बाबिल खान का एक इमोशनल वीडियो चर्चा में आया था। इसमें उन्होंने बॉलीवुड को 'फेक' बताया था और अपनी इमोशंस जाहिर की थीं। इस पर जब दर्शील से सवाल किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे को संतुलित नजरिए से देखने की बात कही। ये भी इंडस्ट्री का ही हिस्सा है। आप इसे कैसे देखते हो, ये बहुत मायने रखता है। आप चाहो तो हर चीज को नेगेटिव तरीके से देख सकते हो। और चाहो तो उसे समझने की कोशिश भी कर सकते हो। अगर किसी को आप स्क्रिप्ट दोगे, तो वो अपना काम करके देगा। लेकिन असली बात आपकी अप्रोच की है।' वह आगे जोड़ते हैं, 'अगर आप बैठकर यही सोचते रहोगे कि मेरे साथ ये गलत हो गया, मुझे साइड कर दिया गया, तो आप खुद को लिमिट कर लोगे। मेरे हिसाब से हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास क्या मौके आ रहे हैं। कौन से दरवाजे खुले हैं। क्योंकि दरवाजे बंद नहीं होते, हम उनका देखना बंद कर देते हैं।

जहां तक स्टार किड्स की बात है, जैसे बाबिल... मुझे हमेशा लगता है कि उन पर सबसे ज्यादा प्रेशर होता है। अगर आप किसी बड़े स्टार के बेटे या बेटी हो, तो एक्सपेक्टेशन भी उतनी ही बड़ी होती है। लोग आपको जज करते हैं, लेकिन वो प्रेशर नहीं देखते।'

मेंटैलिटी बदलो, रास्ते खुद बनेंगे

दर्शील मानते हैं कि पूरा खेल सोच का है। वह कहते हैं, 'मैं पर्सनली चीजों को इस तरह देखता हूं कि ये सब मेंटैलिटी की बात है। अगर आप सिर्फ ये सोचते रहोगे कि ये नहीं हुआ, वो नहीं हुआ, तो आप वहीं फंस जाओगे। लेकिन अगर आप फोकस करोगे कि आगे क्या करना है, तो रास्ते खुद बनने लगते हैं।'

फिल्में मेरे लिए एक सेफ स्पेस हैं

बात खत्म करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए फिल्मों में काम करना एक सेफ स्पेस जैसा है। मैं चलना पसंद करता हूं। सोचता हूं। चीजों को समझने की कोशिश करता हूं। कई बार जब आप किसी चीज को अलग नजरिए से देखते हो, तो आपको उसके जवाब भी मिल जाते हैं।'

खास-खबर

कलेक्टर ने मेधावी छात्रा रिया को घर जाकर दी बधाई

कवर्धा। जिले की मेधावी छात्रा रिया केशरवानी ने प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया गया है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर गोपाल वर्मा ने छात्रा के निवास पर पहुंचकर उन्हें सम्मानित करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर वर्मा ने छात्रा, उनके माता-पिता, परिजनों एवं विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि हेतु बधाई देते हुए कहा कि रिया की सफलता दृढ़ संकल्प, सतत परिश्रम एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सरगुजा के जंगल में भीषण आग, एक किमी क्षेत्र प्रभावित

सरगुजा। जिले के नेशनल हाईवे-130 से लगे ग्राम कुंवरपुर के जंगल में भीषण आग लगने से करीब एक किलोमीटर क्षेत्र प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं से जंगल में मौजूद पेड़-पौधों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। वहीं पर्यावरण पर भी खतरा मंडरा रहा है। आरोप हैं कि अज्ञात लोगों द्वारा बार-बार जंगल में आग लगाई जा रही है, लेकिन इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। घटनास्थल के पास में वन विभाग का कार्यालय मौजूद है, इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी बेखबर नजर आ रहे हैं। लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर 6 भालुओं ने किया हमला

गरियाबंद। जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण शुरू होते ही जंगल क्षेत्रों में जंगली जानवरों की सक्रियता बढ़ गई है। इसी बीच सड़क पारसोली वन परिक्षेत्र के हरदी गांव में भालुओं के हमले की घटना सामने आई है, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। जानकारी के अनुसार, हरदी गांव के ग्रामीणों का एक समूह तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए जंगल गया हुआ था। इसी दौरान अचानक 6 भालुओं के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। भालुओं को देखकर ग्रामीण इधर-उधर भागने लगे, लेकिन भालुओं ने उनका पीछा करते हुए हमला कर दिया। इस हमले में दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। किसी तरह दोनों ने अपनी जान बचाई और घटना की जानकारी परिजनों को दी। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम-जनमन : पीव्हीटीजी अंचलों में विकास की नई इबारत, विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के जीवन में दिख रहा सकारात्मक बदलाव

नूतन सिदार, सुनील त्रिपाठी

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री जनमन योजना का जशपुर जिले में प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिससे सुदूर पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत पहाड़ी कोरवा सहित अन्य विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को साकार करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में इस योजना को जिले में सुनियोजित तरीके से लागू किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

योजना के तहत इन अंचलों को सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सड़क और दूरसंचार जैसी मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। पहले जहां पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब जल जीवन मिशन के माध्यम से घर-घर नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

आजीविका संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। सन्ना स्थित वनधन केंद्र में फॉक्सटेल बाजरा के प्रोसेसिंग हेतु आधुनिक मशीन स्थापित की जा रही है, जिससे स्थानीय समुदाय को तकनीकी प्रशिक्षण मिलने के साथ उनकी आय में वृद्धि होगी। उत्पादों का विपणन राज्य स्तर के नेटवर्क के माध्यम से किया जाएगा और प्राप्त आय सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में जमा होगी।

पीएम-जनमन योजना के तहत जिले में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। 11 बहुउद्देशीय केंद्रों का निर्माण किया गया है, वहीं 1233 पक्के आवास पूर्ण कर परिवारों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराया गया है। 17 आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण के लिए 1 करोड़ 98 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। विद्युत सुविधा के क्षेत्र में 1474 घरों का विद्युतीकरण किया गया है, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक है, साथ ही 43 घरों को सौर ऊर्जा से रोशन किया गया है। संचार सुविधा सुदृढ़ करने के लिए 14 मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं।

सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। 146 कौशल एवं रोजगारपरक गतिविधियों के माध्यम से आजीविका के अवसर सृजित किए गए हैं। 3378 आधार कार्ड, 8135 आयुष्मान भारत कार्ड, 465 किसान क्रेडिट कार्ड और 3290 बैंक खाते खोले गए हैं। इसके अतिरिक्त 5601 जाति प्रमाण-पत्र जारी किए गए हैं, 4070 हितग्राही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाभान्वित हुए हैं और 70 महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लाभ मिला है। वहीं 5830 राशन कार्ड बनाकर सभी पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ा गया है। इस प्रकार, पीएम-जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। यह योजना न केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, बल्कि इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

किरंदुल में 'इको पार्क' की पहल, दिखेगी जैव विविधता की झलक

प्राकृतिक सौंदर्य को संरक्षित और विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार किरंदुल के प्राकृतिक सौंदर्य को संरक्षित और विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वन विकास निगम और एनएमडीसी के संयुक्त प्रयास से यहां एक आधुनिक 'इको पार्क' का निर्माण किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए प्रशासन द्वारा उपयुक्त भूमि का चयन भी कर लिया गया है।

इस इको पार्क की सबसे खास बात इसकी थीम होगी। पार्क में 'भारतीय जैव विविधता' को प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। यहां देश के विभिन्न हिस्सों में पाई जाने वाली वनस्पतियों और प्राकृतिक संपदाओं की जानकारी लोगों को मिलेगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ेगी।

पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए इको पार्क एक बेहतरीन तरीका है। ये पार्क प्राकृतिक आवासों को संरक्षित करने और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए बनाए जाते हैं। हम एक ऐसे विश्व में रहते हैं जहाँ जैव विविधता, पर्यावरणीय न्याय, जलवायु परिवर्तन, पर्यावास संरक्षण और सतत आर्थिक विकास सामाजिक और पर्यावरणीय दोनों आवश्यकताएँ हैं। जब शहरी पर्यावरण पार्क पारिस्थितिक रूप से डिज़ाइन किए गए परिदृश्य होते हैं, तो वे सांस्कृतिक और शैक्षिक भूमि का एक उपजाऊ हिस्सा बना सकते हैं जिसमें स्थिरता जड़ पकड़ सकती है और आने वाली पीढ़ियों तक फैल सकती है

यह परियोजना विकास और पर्यावरण के संतुलन का बेहतरीन उदाहरण बनेगी। इसके दो प्रमुख उद्देश्य हैं। स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा देना। पार्क के निर्माण और संचालन से क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा।

इको पार्क को प्रकृति शिक्षा का केंद्र भी बनाया जाएगा

इको पार्क को प्रकृति शिक्षा का केंद्र भी बनाया जाएगा। यह स्कूली छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए 'लिविंग लैबोरेटरी' की तरह काम करेगा, जहां वे प्रकृति और जैव विविधता के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वन विकास निगम के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन और एनएमडीसी के सहयोग से बनने वाला यह इको पार्क न केवल किरंदुल की सुंदरता को बढ़ाएगा, बल्कि विकास और पर्यावरण के सह-अस्तित्व का प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा।

स्मृति पुस्तकालय योजना : अब तक 12 हजार से अधिक पुस्तकें मिलीं

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से लोग स्वेच्छा से पुस्तकें और इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट दान कर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

इसी क्रम में आज सहायक शिक्षक सोनिया शुक्ला ने इतिहास, विज्ञान, गणित और प्रतियोगी परीक्षाओं की 25 पुस्तकें जिला प्रशासन को दान कीं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सोनिया शुक्ला ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी विभागीय बैठक के माध्यम से मिली। उन्होंने कहा कि समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने की भावना से उन्होंने पुस्तक दान का निर्णय लिया। उन्हें खुशी है कि इन पुस्तकों से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत अब तक 12 हजार पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान किए जा चुके हैं। इन संसाधनों का लाभ लेकर अनेक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को नई दिशा दे रहे हैं। जिला प्रशासन ने अपील की है कि वे भी इस पुनीत पहल से जुड़कर ज्ञान के दान में भागीदार बनें।

रायगढ़ प्रेस क्लब को मिला भवन, 50 लाख का मिला अनुदान

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। रायगढ़ के पत्रकारों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने वार्ड क्रमांक 27 में 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले प्रेस क्लब सामुदायिक भवन का विधिवत शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों को बधाई देते हुए इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि प्रेस क्लब भवन के निर्माण के लिए पत्रकार साथियों द्वारा निरंतर प्रयास, संवाद और फॉलोअप किया गया, जिसके परिणामस्वरूप आज यह कार्य प्रारंभ हो सका है। उन्होंने बताया कि भूमि संबंधी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद शासन से 20 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई, जबकि 30 लाख रुपये विधायक निधि से स्वीकृत किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है, जो समाज के महत्वपूर्ण वर्गों को सशक्त बनाते हैं। नगर निगम के माध्यम से टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य शीघ्र प्रारंभ करने पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सराहना की तथा निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कोरबा प्रेस क्लब के सुव्यवस्थित भवन का उल्लेख करते हुए कहा कि रायगढ़ में भी उसी स्तर का आधुनिक और सुसज्जित भवन विकसित किया जाएगा, जिससे पत्रकारों को गरिमामय वातावरण मिल सके। उन्होंने भवन के डिजाइन को इस प्रकार तैयार करने के निर्देश दिए कि भविष्य में प्रथम तल का विस्तार संभव हो। साथ ही परिसर में पार्किंग, गार्डन और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया।

उन्होंने मुख्य मार्ग के संभावित चौड़ीकरण को ध्यान में रखते हुए भवन निर्माण के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने बताया कि रायगढ़ में वर्तमान में 100 से अधिक विकास कार्य विभिन्न चरणों में संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन का उद्देश्य केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। रायगढ़ के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान ने कहा कि प्रेस क्लब का यह भवन समाज के सशक्त स्तंभ को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में रायगढ़ में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं और सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाएं सुदृढ़ की जा रही हैं।

प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष श्री पुनीराम रजक ने कहा कि यह भवन पत्रकारों के लंबे समय से संजोए गए सपने को साकार करेगा। उन्होंने कहा कि रायगढ़ में शिक्षा, अधोसंरचना और शहरी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनमें नालंदा लाइब्रेरी जैसी परियोजनाएं प्रमुख हैं।

इस अवसर पर नगर निगम सभापति डिग्री लाल, जनपद अध्यक्ष हेमलता चौहान, अरुणधर दीवान, गुरुपाल भल्ला, सुभाष पाण्डेय, श्रीकांत सोमावार, विवेक रंजन सिन्हा, विकास केडिया, सुरेश गोयल, पूनम सोलंकी, मधुलता पटेल, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री हेमंत थवाईत, सचिव श्री नवीन शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री पुनीराम रजक, वरिष्ठ पत्रकार श्री सुभाष त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं नागरिक उपस्थित रहे।

अपनी विशिष्टता को पहचान कर करें करियर का चुनाव : कुलपति मनोज दयाल

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि सभी बच्चों में कुछ न कुछ खुबियाँ जरूर होती हैं। आपको उन खूबियों को पहचान कर आगे बढ़ना है। सचिन तेन्दुलकर और अमिताभ बच्चन ने अपनी प्रतिभा को पहचाना और सही मार्ग चुना। उसी तरह आपको भी सही राह चुनना होगा। इसमें मेडिटेशन आपकी बहुत मदद करेगा। भौतिक शिक्षा तो स्कूलों में आपको मिल ही रही है ब्रह्माकुमारीज के समर कैम्प में आपको आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी।

प्रो. मनोज दयाल आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी रायपुर में आयोजित समर कैम्प के उद्घाटन अवसर पर बच्चों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि समर कैम्प आपको अपनी प्रतिभा को पहचानने का अवसर देता है। उन्होंने अंग्रेजी के अक्षर चार-सी का उल्लेख करते हुए बतलाया कि सफल होने के लिए इसे जीवन में धारण करें। पहला सी अर्थात करेज यानि निडर व साहसी बनें, दूसरा सी अर्थात कान्फीडेन्स यानि आत्मविश्वासी बनें, तीसरा सी अर्थात चियरफुल अर्थात खुश रहें और चौथा सी यानि कान्सन्ट्रेशन अर्थात एकाग्रता को बढ़ाएं।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश व्यास ने बच्चों में उत्साह का संचार करते हुए कहा कि यहाँसमर कैम्प में जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाएगी जो कि आगे हर कदम पर आपको मदद करेगा। उनके खुद के व्यक्तित्व में भी ब्रह्माकुमारीज की शिक्षाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। यह डिजीटल युग का जमाना है जो कि आप बच्चों को भटकाएगा। लेकिन राजयोग मेडिटेशन मन की एकाग्रता को बढ़ाएगा। हमारे पास अधिकतर अभिभावक शिकायत लेकर आते हैं कि बच्चा पढ़ाई में कम और मोबाईल में ज्यादा समय बिताता है। आजकल यह बहुत बड़ी चुनौति बन गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप बच्चे बहुत ही भाग्यशाली हैं जो यहाँ उच्च आदर्शों वाली ब्रह्माकुमारी संस्थान में आए हैं। यहाँ प्राप्त शिक्षाओं को जीवन में धारण करें। बड़ों का आदर करें और आदर्शों को अपनाएं। अच्छे इन्सान बनकर अपने माता-पिता का नाम रौशन करें। उन्होंने बतलाया कि आप एक चौथाई शिक्षा ही स्कूलों से प्राप्त करते हैं शेष आपको साथियों से और जीवन पर्यन्त अपनी मेहनत से प्राप्त करनी होती है।

पुसगुड़ा में महुआ पेड़ के नीचे लगी जनचौपाल

नई दृष्टिबिंदु

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत सुकमा के ग्राम पुसगुड़ा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। महुआ के पेड़ के नीचे ही जनचौपाल का आयोजन किया गया। सभी ने नीचे बैठकर यहां न केवल संवाद किया बल्कि भोजन भी किया।

करीब 106 की आबादी वाले इस छोटे से गांव में कलेक्टर का जमीन पर बैठकर संवाद करना प्रशासन की संवेदनशीलता का प्रतीक बना। 'नियद नेल्लानार योजना 2.0', 'बस्तर मुन्ने' और 'सुशासन तिहार' के तहत आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं।

कलेक्टर ने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान कर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। 'सुशासन तिहार' के तहत प्रशासन की पहल अब सुदूर वनांचल क्षेत्रों में भी असर दिखा रही है। सुकमा जिले के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पुसगुड़ा में कलेक्टर श्री अमित कुमार ने महुआ पेड़ की छांव में ग्रामीणों के साथ बैठकर जनचौपाल लगाई और उनकी समस्याएं सुनीं। जनचौपाल के दौरान खराब हैंडपंप की शिकायत मिलते ही उसे तुरंत ठीक कराया गया। इसके अलावा गांव में आवश्यक सामुदायिक कार्यों के लिए 20 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई, जिससे बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सुशासन की सच्ची तस्वीर बताया।

जनचौपाल के दौरान गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए पक्की सड़क निर्माण हेतु प्रस्ताव तत्काल मंगाया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए गांव को 'तूफान' सवारी वाहन देने की घोषणा की गई। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पुसगुड़ा के ग्रामीणों ने बताया कि अब गांव में बिजली पहुंच गई है और जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल से पानी मिल रहा है। श्रम कार्ड बनने से उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल आदेश जारी करना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से हर गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर एसडीएम श्री सुभाष शुक्ला, जनपद सीईओ श्री सुमित ध्रुव और एडिशनल एसपी श्री मनोज तिर्की सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

10वी-12वीं के टॉपर्स से मिले प्रधारी कलेक्टर व एसएसपी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में रायगढ़ जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के टॉप-10 में अपनी जगह बनाई है। जिले से कुल 8 विद्यार्थियों ने टॉप टेन में स्थान हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है, जिनमें कक्षा 10वीं से 2 एवं कक्षा 12वीं से 6 विद्यार्थी शामिल हैं। इन सभी मेधावी विद्यार्थियों ने जिला कलेक्टोरेट पहुंचकर प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह से सौजन्य मुलाकात की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी लगन और मेहनत के साथ विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एडीएम अपूर्व प्रियेश टोप्पो, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने चर्चा के दौरान अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन को दिया।

पानी और सफाई की समस्या का त्वरित करें निराकरण - विधायक देवेंद्र यादव

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने सेक्टर 5 स्थित कार्यालय में जनता से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। पानी और सफाई से संबंधित विषयों पर निगम और बीएसपी के अधिकारियों से चर्चा कर त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया।

सेक्टर-6 एचएससीएल कॉलोनी के रहवासियों ने विधायक को बताया कि आपके प्रयास से बीएसपी प्रबंधन ने बिजली कनेक्शन दे दिया है, परंतु अब कालोनी के आवासों तक पानी पहुंचाने की समस्या आ रही है। जिस पर विधायक ने पाइपलाइन का विस्तार कर जल्द समाधान करते हुए आवासों तक पेयजल पहुंचाने का आश्वासन दिया। वहीं कांकेर, धमतरी और राजनांदगांव सहित अन्य क्षेत्रों से आए युवाओं ने रोजगार और शिक्षा से जुड़े विषयों पर विधायक से चर्चा की। जिस पर विधायक ने स्थानीय स्तर पर अवसर बढ़ाने की दिशा में योजनाबद्ध कार्य करने का आश्वासन दिया।

सतनामी, साहू समा और बौद्ध समाज के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। विधायक यादव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। हर मुद्दे पर गंभीरता से कार्य करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जनता से भेंट मुलाकात नियमित रूप से जारी रहेगा।

सोलह दूनी आठ नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

ये भी अजीब परेशानी है

हालिया दिनों सोशल मीडिया पर बबलू भईया का एआई जनरेटेड वीडियो वायरल हो गया। कांग्रेसियों ने विकट तीन तूफान मचाया, थाना रिपोर्ट वगैरह भी हो गई। मसला था भी बवाल का। कांग्रेसियों का यह भी कहना था कि भइया की इज्जत का जबरन भाजी पालक किया जा रहा है, खाँटी सपोटर्रों के समूह ने सहाफी से कहा –'देखिए बबलू भईया सिगरेट पीते ही नहीं हैं और उसमें सिगरेट पीते दिखा दिया गया।' याने भईया के सपोर्टर जानते हैं कि उस एआई वीडियो में क्या फर्जी था। लेकिन मसला और आगे का है। अब सपोर्टर नेताजी के फेवर में कुछ करेगा तो नेता को पता कैसे चलेगा! जाहिर है जब मीडिया में आएगा। तो बबलू भईया के भीषण सपोटर्रों ने मीडिया को बताया कि देखिए ये एआई वीडियो, इसमें भईया को सिगरेट पीते दिखाया और इससे इज्जत का लटोरी हो रहा है तो हमने ऐसा विरोध किया ऐसा ज्ञापन दिया, बता भी दिया है कि कार्यवाही नहीं हुई तो लंका बनाकर आग लगा देंगे।अब मीडिया ने ग़ुस्साए सपोटर्रों के ग़ुस्से को पूरी जगह दी। पूरी कहानी दशर्कों पाठकों को बताई गई। इस फेर में यह हुआ कि कई यूट्यूबर ने स्वाभाविक रुप से वीडियो चला दिया, जिन्होंने नहीं चलाया उन्होंने मुकम्मल हिंट दे दिए। नतीजा एआई जनरेटेड वीडियो की ताबड़तोड़ व्युअरशिप आ गई। याने जो नहीं जानते थे वो भी जान गए और वीडियो देख आए।ये भी है कि पुलिस ने एफआईआर खींच दी और कंटेट डाउन करने इंस्टाग्राम को लिख भी दिया। लेकिन तब तक महानदी में विकट पानी बह चुका था।

अल्फा सर की चिट्ठी !

एक रेंज का किस्सा लॉ के जानकारों के बीच बहस का मुद्दा बन गया है। किस्सा यह है कि, एक थाने में एफआईआर की धारा को लेकर अल्फा ने सीधे कमांड दे दिया कि, सोशल मीडिया पर मिली इनफॉर्मेशन के अनुसार उक्त एफआईआर में अलना फलना धारा जोड़ी नहीं गई उसे जोड़ा जाए और दरोगा से एक्सप्लेनेशन कॉल किया जाए। जैसे ही परवाना जारी हुआ धारा जुड़ गई। अब इस चिट्ठी को लेकर कानूनी जानकार यह सवाल उठा रहे हैं कि, आदेश ही विधिक अधिकारिता के बाहर का है। विवेचक और थानेदार और हद से हद डीएसपी ही अन्वेषण के उत्तरदायी हैं और वह वही धारा घटाने या जोड़ने का काम करते हैं। विवेचक को वह विषय ही हासिल ना हो जिससे धारा आकर्षित हो पाए या कि एफआईआर में वह कंटेट ही ना हो और धारा जोड़ दी जाए, तो मामला टिकेगा यह तो मसला है ही साथ ही यह स्थापित करने के पर्याप्त साक्ष्य हों कि एफआईआर में धारा कैसे और किसके सीधे आदेश पर जोड़ी गई तो कोर्ट में परखच्चे क्यों नहीं उड़ेंगे। बहरहाल जो होना था सो हो लिया है। अब आगे जो होगा कोर्ट में होगा। वैसे कुछ कानून जानकारों का कहना है कि, आप यह क्यों सोचते हैं कि फायनल चालान में वो कंटेट नहीं होगा जिसकी धारा आज ही जोड़ दी गई। वकील साहब ने सहाफी से कहा – ये पुलिस है, ग़लत धारा जुड़ी है तो उसे हटाने के बजाय उस धारा को सही साबित करने की जुगत लगा लेगी।

कमाल करते हो डीएसपी साहब

नवाचार को सभी प्रोत्साहित करते हैं, मामला हिट फिट हो जाए तो मिसाल के तौर पर याद भी किए जाते हैं लेकिन वही 99 पर साँप काट दे तो दुगर्ति भी कर देते हैं। एक काबिल डीएसपी साहब ने भी नवाचार ही किया लेकिन ससुर 99 में साँप काट दिया तो घुलट गए हैं। कथा अलबेली है। अब इसमें कुछ झूठ भी होगा, तो कुछ अफवाह भी होगी। लेकिन मसला ये है कि साहब ने सट्टेबाजी के मामले की इन्वेस्टिगेशन शुरु की, और साहब ने ठीक वहीं से नवाचार शुरु किया। साहब को ये पता था कि, इस खेल का बड़ा खिलाड़ी राजधानी के पास के जिले में रहता है। तो साहब ने अपने जिले के खाईवाल से उस राजधानी के पास वाले जिले के और बड़े खाईवाल के खाते में पैसा ट्रांसफर करा दिया, और उस जिले से खाईवाल को धर लाए। अब नवाचार का अंजाम ये हुआ कि दो लाख रुपये की व्यवस्था होते ही साहब ने उसे पांच लाख और देने की ताकीद करते हुए छोड़ दिया। अब ये खाईवाल साहब को तीन चार दिनों में विकट तगादे हुए। खाईवाल साहब ने एक तारीख दी कि फलना तारीख को आ रहा हूँ। लेकिन खाईवाल जी रेंग गए रिश्वत पकड़ने वाले दफ़्तर। इधर इंतजार में बैठे डीएसपी साहब को जाने क्या सूझा उन्होंने लोकेशन निकलवाई। पता चला कि ओल्ड पीएचक्यू और तेलीबांधा तालाब के बीच में कहीं पर लोकेशन आ रही है। डीएसपी साहब समझ गए कि मसला तो खुद शिकारी के शिकार होने का है। उन्होंने रायपुर से आने वाले रास्ते में मौजूद थाने के सिपाही जी की ड्यूटी लगाई कि देखते रहो कोई सीजी 02 गुजरे तो बताना। सिपाही ने कुछ देर में बताया कि साहब गाड़ी गुजरी है। जैसे ही सिपाही से यह सूचना आई। डीएसपी साहब मोबाइल बंद कर फरार हो लिए। अब फरारी भी ऐसी कि लौटे ही नहीं। छुट्टी का आवेदन दिया और यह भी बता गए कि छुट्टी के बाद वहीं से ट्रेनिंग पर चले जाएंगे। मसला यहीं नहीं रुका है। अफवाहें कहती हैं कि, इस कांड के बाद एफआईआर की विवेचना के दौरान सीडीआर का डिटेल बदल दिया गया है क्योंकि पुराने को हटाकर नया नंबर डाल दिया गया है। अब किस्सा कितना सच्चा और कितना झूठा ये तो प्रभु कृष्ण जी जानें। बाकी महकमे के साहबानों को जरा देखना चाहिए, हिंदु ह्रदय सम्राट के जिले में डीएसपी को पकड़ने की कोशिश करने वालों को यह ध्यान क्यों नहीं रहा कि, इलाक़ा किसका है।

हू डिड दिस नॉउ

व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर एक कविता कहिए या तुकबंदी, वह ध्यान खींच रही है। लोग इसे शेयर भी खूब कर रहे हैं। सही सटीक कुछ पता नहीं है कि, कविता का वास्तविक रचयिता कौन है पर कविता मौजूदा सुशासन सरकार को समर्पित है। सहाफी को यह उचित लगता है कि वह कविता यहाँ आप पाठकों के लिए उपलब्ध करा दी जाए। यह रही कविता, पढ़िए

छत्तीसगढ़ के कोन्हो संस्कृति ला आघू लाना
जरुरी नई हे..
मजदूर किसान मन के बोरे बासी दिवस मानना
जरुरी नई हे..
पर बिहार के नेता मन ला खुश करे बर बिहार
दिवस मनाना जरुरी हे..
अउ तो अउ बिन काम करे सुशासन तिहार मनाना
जरुरी हे..
बोले के पहली पान खाना जरुरी हे..
हर भाषण मे कोलिहा सियान ला यशस्वी बताना
जरुरी हे..
साल भर स्कूल ला झांक के नहीं देखत हे..
फेर मोबाईल मे बधाई देहे बर रील बना के जताना
जरुरी हे..
विकास के नाम मे बड़े बड़े जंगल ला कटवाना
जरुरी हे..
नदिया तरिया भले अटा जाये पर उद्योग लगाना
जरुरी हे..
काय करबे वोट ला तो दे डारे हन संगवारी..
त दु साल तक अउ झेलना जरुरी हे..

कांग्रेस की बैठक

पीसीसी में तूफानी बैठकों का दौर चला। सबसे पहले विधायकों से वन टू वन, फिर ज़िलाध्यक्ष और फिर ब्लॉक अध्यक्ष। विधायकों से प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने संगठन सृजन के जरिए चयनित जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से समन्वय को लेकर सवाल किया। वे जानना चाहते थे कि, कहीं कोई गतिरोध तो नहीं है।ज़िलाध्यक्षों की बैठक और ब्लॉक कमेटी के अध्यक्षों की बैठक भी संगठन को लेकर केंद्रित रही।समन्वय सहयोग की जानकारी लेने के साथ ही यह संकेत दिए गए हैं कि, बड़े आंदोलन की तैयारी रखें। इन बैठकों में अगर कोई सवाल नहीं थे तो वह थे पीसीसी चीफ दीपक बैज से जुड़े सवाल। यूँ यह कहा जाता है कि कार्यकाल खत्म होने वाला है, लेकिन एक्सटेंशन की बात भी सामने आते रहती है। वहीं भूपेश बघेल इन बैठकों में नहीं थे। यूँ वे दिल्ली से जब आए और फिर जब दिल्ली गए तो सचिन पायलट सहयात्री थे। इन बैठकों से दूर भूपेश बघेल बोरे बासी खाने के कार्यक्रमों में व्यस्त रहे।वहीं एक अफवाह यह भी है कि तीन विधायकों ने अपने जिलों को लेकर असहजता और संवादहीनता की शिकायत दी है।

लापता की तलाश

सहाफी को ये समझ नहीं आ रहा था कि भरी तपती गर्मी में ही सीएम साहब को सुशासन दौरा करने की क्यों सूझी, सीएम साहब तो आली जाँ हैं। वो चाह लें तो अक्टूबर में शुरु करते और जिस दिन साहब ने सीएम के रुप में शपथ ली उस दिन सुशासन दौरे का समापन करते। अभी तो ये है ह्लजनता देवताह्वधूप में यूँ ही भुना बकरा मुर्गा हो लेगी।लेकिन फिर ध्यान आया कि सरकार इसलिए सरकार होती है क्योंकि वो सर्वशक्तिमान होती है, और चुंकि उससे ज़्यादा समझदार कोई होता नहीं, तो फिर सवाल की जगह ही कहाँ बचती है। सूबे के हाकिम और उनके कारिंदे चुंकि दरियादिल हैं इसलिए सहाफी को यक़ीं है कि, सोच लेने के गुनाह से उसे माफी मिल जाएगी। सहाफी जबकि इस निष्कर्ष पर पहुँच ही रहा था तब ही एक विध्नसंतोषी टकरा गया। उसने कहा ये बताओ पत्रकार जी, जिसका पता ही नहीं उसका तिहार मनाने का क्या लॉजिक है ? अब सुशासन कहां है और कैसा है एवं किसे सुशासन कहते हैं वह इसी कॉलम में लगातार बताया जा रहा है। लेकिन ये जलनखोर हैं कहते हैं कि, सुशासन ही नहीं है तो तिहार कैसे मनेगा। जाने दीजिए ऐसे लोगों की बात पर क्या ही कान देना।

ओनली सिक्स मंथ सर !

खाकी वर्दी वाले विभाग में कुछ न कुछ अलबेला सा होते रहता है। अब देखिए न, महकमे के सबसे बड़े साहब ने एक पत्र संबंधित रेंज आईजी को लिखा और उनके रेंज में पोस्टेड एक अफसर की गुमशुदगी जैसे मसले पर रिपोर्ट माँगी। ये प्रारंभिक जांच रिपोर्ट थी जो आती तो शायद डिपाटर्मेंटल इंक्वारी खड़ी हो जाती।अब इस लेटर को ज्यादा नहीं केवल सात महीने हुए हैं और अब तक प्रारंभिक रिपोर्ट नहीं आई है। ऐसा क्यों हुआ का जवाब तो दो ही लोग दे सकते हैं एक तो खुद महकमे के सबसे बडे साहब या रेंज के सबसे बड़े साहब। अपने को थोड़ी पता रहेगा कि जो हुआ क्यों हुआ, अपन तो ये जान पाए कि ऐसा हुआ है, वो आपको बता दिए।

ये सही है गुरु

कुशाभाउ ठाकरे परिसर में एक वरिष्ठ भाईसाब मिल गए। तपती धूप थी तो बोले चलो सत्तू पिलाते हैं। एक तो वरिष्ठ भाईसाब का सानिध्य तिस पर सत्तू का शरबत। सहाफी तत्काल चल पड़ा। सत्तू का शानदार शरबत पीते हुए अचानक प्रत्युतपन्न मति के धनी और वाकपटू भाई साहब से सहाफी ने पूछा– भाई साहब आपकी पार्टी की सरकार सत्ता !आप कैसे हैं ? भाई साहब मुस्कुरा कर बोले – देखो ऐसा है कि तुम लोग खोजबीन गलत करते हो। सुनो..मुख्यमंत्री से कोई नाराज नहीं है मसला तब हो जा रहा है जब सरकार की बात आती है, क्योंकि सरकार से कोई खुश नहीं है। तुम उनको खोजो जो सरकार से खुश हैं। मंत्रियों का भी हाल ये है कि कोई उनसे भी नाराज नहीं है। अब नाराज तो वो होते हैं न, जो काम की अपेक्षा से जाएँ, या किसी की आलोचना निंदा तब हो जब कोई काम का हो या काम करे। ढाई साल में देव तुल्य कार्यकर्ता भी समझ गए हैं काम किसी से नहीं होना है क्योंकि काम का कोई है ही नहीं। जो काम होना है वह सरकार से होना है और ये जो सरकार है यह कोई काम करती नहीं है।इसलिए नाराजगी सरकार से है। सीएम साहब और मंत्रियों से नाराजगी का सवाल ही नहीं।ह्व सहाफी अगला सवाल पूछता तब तक भाई साहब उठे और बोले कि देखो सत्तू पी लिए न.. अब निकलो। अस्तु सहाफी चुपचाप रेंग दिया। वैसे छोड़िए अगला सवाल जो कि पूछा जाता। आप लोग तो ये बताईए जो बौद्धिक भाई साहब ने दिया उस पर आप लोगों का क्या कहना है ?

पानी और सफाई की समस्या का त्वरित करें निराकरण – विधायक देवेंद्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने सेक्टर 5 स्थित कार्यालय में जनता से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। पानी और सफाई से संबंधित विषयों पर निगम और बीएसपी के अधिकारियों से चर्चा कर त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया।

सेक्टर-6 एचएससीएल कॉलोनी के रहवासियों ने विधायक को बताया कि आपके प्रयास से बीएसपी प्रबंधन ने बिजली कनेक्शन दे दिया है, परंतु अब कालोनी के आवासों तक पानी पहुंचाने की समस्या आ रही है। जिस पर विधायक ने पाइपलाइन का विस्तार कर जल्द समाधान करते हुए आवासों तक पेयजल पहुंचाने का आश्वासन दिया।

वहीं कांकेर, धमतरी और राजनांदगांव सहित अन्य क्षेत्रों से आए युवाओं ने रोजगार और शिक्षा से जुड़े विषयों पर विधायक से चर्चा की। जिस पर विधायक ने स्थानीय स्तर पर अवसर बढ़ाने की दिशा में योजनाबद्ध कार्य करने का आश्वासन दिया। सतनामी, साहू समा और बौद्ध समाज के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। विधायक यादव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। हर मुद्दे पर गंभीरता से कार्य करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जनता से भेंट मुलाकात नियमित रूप से जारी रहेगा।

ममता छिनी, प्रशासन बना परिवार : निजामडीह की सात बेटियों के जीवन में लौटी उम्मीद

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

विकासखंड छुईखदान के सुदूर वनांचल ग्राम निजामडीह में प्रशासनिक संवेदनशीलता और सामाजिक एकजुटता की एक अनुकरणीय मिसाल सामने आई है। मां को खोने के बाद असहाय हुई सात मासूम बेटियों के जीवन में अब जिला प्रशासन और समाज ने मिलकर सहारा दिया है, जिससे उनके भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगी है।

करीब तीन माह पूर्व अमर सिंह मेरावी की पत्नी का ब्रेन ट्यूमर के कारण निधन हो गया, जिसके बाद 7 माह से 14 वर्ष आयु वर्ग की सातों बेटियां मातृ स्नेह से वंचित हो गईं। पिता मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं, लेकिन रोजगार की मजबूरी के चलते बच्चियों की देखरेख में कठिनाई आ रही थी। इस संवेदनशील स्थिति की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का निर्णय लिया। इसी कड़ी में सहायक आयुक्त (आदिवासी विभाग) स्वर्णिम शुक्ला, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत छुईखदान केश्वरी देवांगन सहित महिला एवं बाल विकास विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने ग्राम निजामडीह पहुंचकर बच्चियों एवं उनके पिता से मुलाकात की, उनकी आवश्यकताओं का आकलन किया तथा उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान बच्चियों को स्कूल बैग, टिफिन, फल, नवीन वस्त्र, चप्पल, राशन सामग्री एवं दैनिक उपयोग की खाद्य सामग्री वितरित की गई। साथ ही अधिकारियों द्वारा एक-एक बच्ची की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं समुचित देखभाल की जिम्मेदारी लेने का संकल्प भी व्यक्त किया गया।

इस पहल से गांव में भावुक माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए इसे मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। निजामडीह की यह पहल यह संदेश देती है कि जब प्रशासन और समाज एक साथ खड़े होते हैं, तो विपरीत परिस्थितियों में भी आशा की नई राह बनाई जा सकती है।

इनोवेशन महाकुंभ में शामिल होने भिलाई चेम्बर का दल अजय भसीन के नेतृत्व में जगदलपुर रवाना

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री भिलाई का एक प्रतिनिधिमंडल इनोवेशन महाकुंभ में सहभागिता हेतु जगदलपुर के लिए रवाना हुआ। इस दल का नेतृत्व चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन कर रहे हैं।

इस प्रतिनिधि मंडल में अजय भसीन के साथ भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, सुनील मिश्रा शंकर सचदेव, राजेश शर्मा, गौरव मोंगिया, विनय सिंह, दर्शन खटवानी, मनोहर कृष्णानी, निरंकार सिंह, विजय मिश्रा, अमन मिश्रा के साथ 15 सदस्यों का दल शामिल होने रवाना हुए।

महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल महाकुंभ में भाग लेकर नवीन व्यावसायिक नवाचारों, आधुनिक तकनीकों एवं व्यापार विस्तार के नए आयामों की जानकारी प्राप्त करेगा। साथ ही, स्थानीय व्यापारियों के हित में उपयोगी विचारों एवं अनुभवों को साझा करेगा, जिससे क्षेत्रीय व्यापार को नई दिशा मिल सके।

दल के रवाना होने से पूर्व भिलाई चेम्बर के सलाहकर कन्हैया सोनी, उद्योग चेम्बर अध्यक्ष जे पी गुप्ता, विकास जायसवाल, सरोजनी पाणिग्रही, सुमन कनोजे, टीना सातपुते, शंकर देवांगन, महेश बंसल, रश्मि वर्मा, सुनीता सोनी, माधुरी पराशर, पूजा वर्मा, राकेश मल्होत्रा व पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा उन्हें शुभकामनाएं देते हुए गमजोशी से विदाई दी गई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहभागिता व्यापारिक उन्नति एवं नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। चेम्बर का यह प्रयास प्रदेश के व्यापारियों को नई सोच, नई तकनीक और नए अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

श्रद्धांजलि

कितना निर्दयी है तू-कभी-कभी तू भी कितना निर्दयी हो जाता है,
एक माँ के आँचल से उसका बेटा छीन ले जाता है।
उस पल को सोचकर हर रूह काँप जाती है,
सब पूजते हैं तुझको- तू भगवान है या पापी है ?
कितने खुश रहे होंगे , जब घर से निकले होंगे,
यात्रा मंगलमय हो — तेरा नाम लिए होंगे।
फिर भी न रहम खाया उस ममतामयी माँ पर,
जिगर का टुकड़ा जो लिपटा रहा उसके ही तन पर।
मुझे मौत दे दे- वो छटपटाकर चिल्लाई होगी,
मेरे बेटे को बख्श दे- तुझसे गुहार लगाई होगी।
पर तू तो ठहरा जालिम, बनता है जग का स्वामी,
क्या कसूर था उस मासूम
का, जो डूबा पानी में ?
किसी दुश्मन के जीवन
में, कभी ये दिन ना आए, बेटा
मौत की आगोश मे हो, और
माँ रहे सीने से लिपटाए।

श्रद्धांजलि संग
डॉ. अरुण मिश्रा
"अकेला"

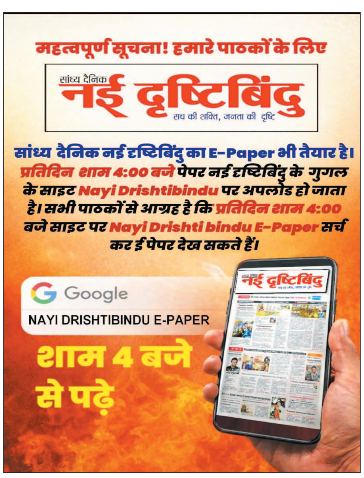

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100